हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 36 : | जौनपुर, सोमवार 30 अक्टूबर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

मध्य प्रदेश राम के नाम पर सियासत तेज

मध्य प्रदेश (एजेन्सी)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले राम मंदिर को लेकर सियासत तेज हो गई है। भाजपा और कांग्रेस में राम मंदिर का श्रेय लेने को लेकर बयानबाजी तेज है। अब भाजपा नेताओं के बयान पर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने पलटवार किया है। पूर्व सीएम ने कहा कि मैं सनातन धर्म का पालन करने वाला व्यक्ति हूं और एक अच्छा हिंदू हूं। राम हमारे इष्टदेव हैं। हम सनातन धर्म का पालन करते हैं, लेकिन चुनाव में धर्म का उपयोग करना प्रतिबंधित हैं। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के निर्माण में शिवराज सिंह चौहान ने एक लाख रुपए का दान दिया और मैंने 1 लाख 11 हजार दिया। जिसका चौक मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजा कि ट्रस्ट में जमा करा दीजिए। उन्होंने वापस भेज दिया कि आप ही जमा कराइये। हमने जमा करा दिया। बता दें भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने रविवार को कांग्रेस से सवाल किया था कि कांग्रेस स्पष्ट करें कि वह राम के विरोध में है या राम मंदिर के विरोध में है। इसको लेकर पूछे सवाल पर ही दिग्विजय सिंह ने पलटवार किया है।

जदयू अध्यक्ष ने केंद्रीय गृह मंत्री को बताया फर्जी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। जनता दल यूनाईटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद ललन सिंह ने एक बार फिर से केंद्र सरकार और गृह मंत्री अमित शाह पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि अमित शाह को फर्जी ज्योतिष हैं। वह जहां–जहां गए और कहा कि दो तिहाई बहुमत से सरकार बनेगी। वहां भाजपा हार गई। बंगाल में हार गए, हिमाचल में हार गए, कर्नाटक में हार गए। अब पांच राज्यों में भी इनका यही हाल होने वाला है। केंद्र सरकार के द्वारा रोजगार मेला में 133 लोगों को रोजगार दिए जाने पर चुटकी लेते हुए कहा कि हमने फोटो देखा है कि बड़ा भारी–भारी आदमी मुरेठा वाला नियुक्ति पत्र दे रहा था। नियुक्ति पत्र देने का मतलब है कि सवा लाख लोगों को एक साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार गांधी मैदान और राज्य के 37 जिले में देने जा रही है ।

वकील बेटे ने मां को बेरहमी से पीटा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। पंजाब के रूपनगर जिले में एक बेहद हैरान करने वाला और रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो सामने आया है। सोशल मीडिया पर ये वीडियो काफी वायरल हो रहा है और लोग इस वीडियो को देखकर काफी हैरानी जता रहे है। इस वीडियो में एक वृद्ध महिला के साथ उसका बेटा बेहद बुरा व्यवहार करते हुए दिखता है। बेटा अपनी मां को बहरा में से मारता हुआ दिखाई दे रहा है और अमानवीयता के साथ उसके साथ बर्ताव कर रहा है। बता दें कि महिला के साथ इतना दुर्व्यवहार करने वाला व्यक्ति उसका अपना खुद का सगा बेटा है। महिला के साथ उसका बेटा पोता और बहुत दोनों मिलकर अत्याचार कर रहे थे जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में जिस तरह से बेटा अपनी मां को मारता हुआ दिखता है उसे लोगों की रोंगटे खड़े हो गए हैं।

स्टेडियम के बाहर जाम में फंसी एंबुलेंस

नई दिल्ली (एजेन्सी)। इकाना स्टेडियम के बाहर शहीद पथ पर मैच शुरू होने के बाद लंबा जाम लग गया। कमता की तरफ से कानपुर की ओर जा रही एंबुलेंस जाम में फंस गई। खास बात यह रही कि इतने बंदोबस्त के बाद भी कोई भी पुलिस या ट्रैफिक का सिपाही एंबुलेंस को जाम से बाहर निकालने के लिए नहीं आया। लोगों ने अपनी गाड़ियों को आगे–पीछे करके कार के लिए रास्ता बनाया। भारत की पारी के 20 ओवर समाप्त हो चुके हैं। उसने तीन विकेट पर 74 रन बना लिए हैं। कप्तान रोहित शर्मा 44 और केएल राहुल 16 रन बनाकर नाबाद हैं। रोहित अपने 54वें अर्धशतक के करीब हैं। उन्होंने राहुल के साथ चौथे विकेट के लिए 33 रन की साझेदारी कर ली है। इकाना स्टेडियम की पिच नंबर चार को मुकाबले के लिए चुनिंत किया गया है।

सरदार पटेल की जयंती पर मेरा युवा भारत संगठन की नींव रखेंगे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर 'मेरा युवा भारत' नामक एक संगठन की नींव रखे जाने की घोषणा की, जो राष्ट्र निर्माण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं में देश क युवाओं को सक्रिय भागीदारी निभाने का अवसर प्रदान करेगा। आकाशवाणी पर रविवार को प्रसारित मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 106वीं कड़ी में देशवासियों से अपने विचार साझा करते हुए मोदी ने पिछले कुछ वर्षों में खादी से जुड़े उत्पादों की बिक्री में हुए इजाफे का हवाला दिया। उन्होंने देशवासियों से एक बार फिर अधिक से अधिक स्थानीय उत्पादों को खरीदने की अपील की और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को पूरा करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने इस महीने की शुरुआत में गांधी जयंती के अवसर पर दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित खादी भंडार में एक ही दिन में डेढ़ करोड़ रुपये से ज्यादा की बिक्री का उल्लेख करते हुए कहा, ''10 साल पहले देश में जहां खादी उत्पादों की बिक्री बड़ी मुश्किल से 30 हजार करोड़ रुपये से भी कम की थी, आज यह बढ़कर सवा लाख करोड़ रुपये के आसपास पहुंच गई है।'' उन्होंने कहा कि खादी की बिक्री बढ़ने का मतलब है इसका फायदा शहर से लेकर गांव तक में अलग–अलग लोगों तक पहुंचता है। मोदी ने कहा कि इस बिक्री का लाभ बुनकरों, हस्तशिल्प कारीगरों, किसानों, आयुर्वेदिक पौधे लगाने वालों और कुटीर उद्योगों को मिलता है। प्रधानमंत्री ने इसे 'वोकल फोर लोकल' अभियान की 'ताकत' बताते हुए देशवासियों से आग्रह किया वे जब भी पर्यटन या तीर्थटन पर जाएं, तो वहां के स्थानीय उत्पादों को जरूर खरीदें। उन्होंने लोगों से अपनी यात्रा के कुल बजट के कुछ हिस्से को स्थानीय उत्पादों की खरीदारी के लिए रखने का आग्रह किया।

आगामी त्योहारों का उल्लेख करते हुए मोदी ने लोगों से अपनी खरीदारी में स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया और कहा कि दृष्टि केवल छोटे दुकानदारों और रेहड़ी–पटरी से सामान लेने तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा, ''आज भारत दुनिया में विनिर्माण का बड़ा केंद्र बन रहा है। कई बड़े ब्रांड यहीं पर अपने उत्पाद तैयार कर रहे हैं। अगर हम उन उत्पादों को अपनाते हैं, तो 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा मिलता है और यह भी 'लोकल' के लिए 'वोकल' ही होना होता है।'' प्रधानमंत्री ने ऐसे उत्पादों को खरीदते समय डिजिटल लेन–देन का उपयोग करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, ''जब आप भारत में बने, भारतीयों द्वारा बनाए गए उत्पादों से अपनी दिवाली रोशन करेंगे और अपने परिवार की हर छोटी–मोटी आवश्यकता लोकल से पूरी करेंगे, तो त्योहार की जगमगाहट ज्यादा बढ़ेगी। साथ ही स्थानीय लोगों का जीवन शानदार बनेगा। इससे भारत भी आत्मनिर्भर बनेगा।'' सरदार पटेल की जयंती का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि इस अवसर पर 31 अक्टूबर को गुजरात में 'स्टैचू ऑफ यूनिटी' पर एकता दिवस से जुड़ा मुख्य समारोह होता है, लेकिन इस बार इसके अलावा दिल्ली में कर्तव्य पथ पर बहुत ही विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

केरल में बम धमाकों के बाद यूपी में हाईअलर्ट, खुफिया एजेंसियों और केरल पुलिस से साधा संपर्क

लखनऊ (एजेन्सी)। केरल के एर्नाकुलम में कन्वेंशन सेंटर में बम धमाकों के बाद यूपी में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। यूपी एटीएस और समस्त जिलों की पुलिस को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के साथ संदिग्धों को चिन्हित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, इस्राइल–फलस्तीन से जुड़े हर विरोध प्रदर्शन पर पैनी नजर रखने को कहा गया है। स्पेशल डीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि इस्राइल–हमास युद्ध के दृष्टिगत पहले भी अलर्ट किया गया था। केरल की हालिया घटना के बारे में जानकारी जुटाई जाए रही है। एहतियात के तौर पर इस्राइल और फलस्तीन के समर्थन को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शन पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। इनमें मौजूद लोगों के साथ–साथ वर्चुअली जुड़ने वालों की भी पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। यूपी पुलिस केरल पुलिस और अन्य केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के संपर्क में है। प्रदेश में केरल के कट्टरपंथी संगठनों से जुड़े लोगों को चिह्नित किया जा रहा है। बता दें कि प्रदेश में पीएफआई, सीएफआई, वहदत ए इस्लामी आदि संगठनों से जुड़े तमाम संदिग्ध लोग जांच एजेंसियों के निशाने पर हैं। हाल ही में एनआईए ने लखनऊ, भदोही, संतकबीरनगर, बलिया समेत सात जिलों में इन संगठनों से जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापे मारे थे। इस बारे में यूपी एटीएस से भी गोपनीय सूचनाएं साझा की गई हैं। साथ ही, इस्राइल–फलस्तीन से जुड़े हर विरोध प्रदर्शन पर पैनी नजर रखने को कहा गया है। स्पेशल डीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि इस्राइल–हमास युद्ध के दृष्टिगत पहले भी अलर्ट किया गया था।

स्वास्थ्य कर्मियों की छुट्टियां रद्द, धमाके के बाद लिया फैसला

केरल की एर्नाकुलम में कलामसेरी स्थित एक कन्वेंशन सेंटर में तीन जबरदस्त धमाके हुए हैं जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 20 लोग घायल हुए

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केरल की एर्नाकुलम में कलामसेरी स्थित एक कन्वेंशन सेंटर में तीन जबरदस्त धमाके हुए हैं जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 20 लोग घायल हुए हैं। इस धमाके के बाद केरल में अफरा तफरी का माहौल बना हुआ है। घटना के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन से बातचीत की है और उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया है। बता दें कि यह घटना उसे समय हुई जब कन्वेंशन सेंटर में प्रार्थना चल रही थी। इस घटना के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन से बातचीत की है। विस्फोट के बाद उन्होंने राज्य की स्थिति का जायजा लिया है। वहीं घटना के बाद एनआईए और एनएसजी को भी मौके पर पहुंचकर घटना के स्थिति की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। घटनास्थल को लेकर केरल के उद्योग मंत्री पी राजीव ने बताया कि विस्फोट स्थल की घेराबंदी कर दी गई है। पुलिस और फायर विभाग मिलकर रेस्क्यू काम में जुटे हुए हैं। वहीं केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि कोच्चि के अस्पतालों में छुट्टी पर गए स्वास्थ्य कर्मियों की छुट्टियां रद्द की गई है। सभी को तत्का प्रभाव से काम पर लौटने के लिए कहा गया है। सभी स्वास्थ्य कर्मियों को तत्काल अस्पताल लौटने के निर्देश दिए गए है। वही धमाके पर केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन का कहना है कि सरकार घटना के बाद जानकारी इकट्ठा कर रही है। उन्होंने कहा हम इस घटना को बेहद गंभीरता से लेकर इसकी जांच कर रहे हैं। बता दें कि जब यह धमाका हुआ तो घटनास्थल पर 2000 से अधिक लोग मौजूद थे। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस घटना के बाद निराशा व्यक्त की है। घटना की निंदा करते हुए तिरुवनंतपुरम के सांसद ने कहा कि केरल को हत्या और विनाश की मानसिकता का शिकार होते हुए देखना दुखद है। सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा कि मैं धार्मिक नेताओं से आग्रह करता हूं कि इस तरह की बर्बरता की निंदा करने के लिए आगे आए। वहीं घटना के बाद एनआईए और एनएसजी को भी मौके पर पहुंचकर घटना के स्थिति की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। घटनास्थल को लेकर केरल के उद्योग मंत्री पी राजीव ने बताया कि विस्फोट स्थल की घेराबंदी कर दी गई है। पुलिस और फायर विभाग मिलकर रेस्क्यू काम में जुटे हुए हैं। वहीं केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि कोच्चि के अस्पतालों में छुट्टी पर गए स्वास्थ्य कर्मियों की छुट्टियां रद्द की गई है। सभी को तत्का प्रभाव से काम पर लौटने के लिए कहा गया है।

केरल में ब्लास्ट के बाद मुंबई में भी अलर्ट, धर्मस्थलों की सुरक्षा बढ़ाई गई

मुंबई (एजेन्सी)। केरल में ईसाइयों की एक सभा में 29 अक्टूबर यानी रविवार को तीन सीरियल धमाके हुए हैं, जिसकी बात पुरे केरल में अफरा तफरी मच गई है। इन धमक में एक शख्स की मौत हो गई है जबकि 20 से अधिक घायल हुए हैं जिनका इलाज अस्पताल में किया जा रहा है। केरल में हुए इस बेहद बड़े धमाके के बाद मुंबई और पुणे में भी हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। बता दे कि केरल में जहां यह धमाका हुआ उसे घटना स्थल पर 2000 लोग मौजूद थे। यानी बड़े स्तर पर लोगों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्यों से इस धमाके को किया गया था। वही हिसाब से के बाद अब मुंबई और पुणे में यहूदी धर्म के लोगों के धर्म स्थलों पर हाई लेवल सिक्योरिटी लगा दी गई है। केरल में हुए धमाके के बाद पुलिस प्रशासन अधिक अलर्ट हो गया है। केरल की एर्नाकुलम में कलामसेरी स्थित एक कन्वेंशन सेंटर में तीन जबरदस्त धमाके हुए हैं जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 20 लोग घायल हुए हैं। इस धमाके के बाद केरल में अफरा तफरी का माहौल बना हुआ है। घटना के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन से बातचीत की है और उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया है।

अमित शाह ने की सीएम से की बात, धमाके के बाद लिया स्थिति का जायजा

केरल के कलामासेरी में एक कन्वेंशन सेंटर में हुए धमाके के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री पी विजयन से बातचीत की है

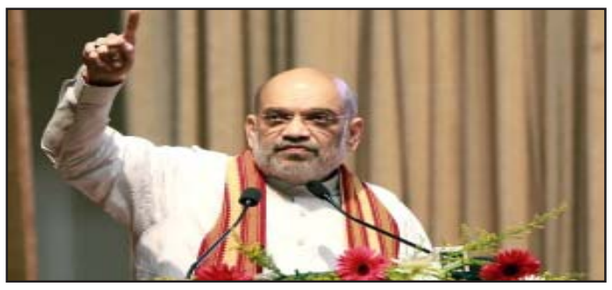

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केरल के कलामासेरी में एक कन्वेंशन सेंटर में रविवार सुबह हुए धमाके के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री पी विजयन से बातचीत की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तीन धमाके हुए हैं जिससे कन्वेंशन सेंटर दहल गया है। इन धमाकों में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। जानकारी मिलने के बाद घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कलामासेरी पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि फिलहाल धमाके की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। यह भी पुष्टि नहीं हो सकी है कि मौके पर एक से ज्यादा धमाका तो नहीं हुआ। अधिकारी के मुताबिक, धमाका कथित तौर पर एक ईसाई समूह के कन्वेंशन सेंटर पर हुआ। उन्होंने बताया कि सुबह नौ बजे धमाके की सूचना वाला फोन आया और पुलिस की मदद मांगी गई। टेलीविजन चौनल पर प्रसारित घटना के दृश्यों में बड़ी संख्या में दमकल कर्मियों और पुलिस कर्मियों को घटनास्थल से लोगों को निकालते हुए देखा जा सकता है। कन्वेंशन सेंटर के अंदर हुए धमाके के विचलित करने वाले दृश्यों में हॉल में कई जगहों पर आग लगी नजर आ रही है, जिससे डरे लोग चिल्लाते दिख रहे हैं। धमाके के बाद सैकड़ों लोग कन्वेंशन सेंटर के बाहर खड़े नजर आए। इस जोरदार धमाके के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन से भी बात की है। केरल में हुए इस धमाकी की जांच करने के लिए एनएसजी की एनबीडीएस की टीम भी जाएगी। प्रशासन ने अस्पतालों को भी पूरी तरह से तैयार रहने के निर्देश जारी किए है। इस घटना के बाद एक चश्मदीद ने कहा कि धमाका हॉल के बीच में हुआ है और धमाके की तीन आवाजें भी सुनी है। वहां बहुत धुंआ हुआ था। इस घटना के बाद पी विजयन ने कहा कि ये दुर्भाग्यपूर्ण है। हम जानकारी इकट्ठा कर रहे है। एर्नाकुलम में सभी शीर्ष अधिकारी है। डीजीपी भी घटना स्थल पर गए है। इस मामले को सरकार ने बेहद गंभीरता से लिया है और इसकी तह तक जांच की जा रही है। केरल के कलामासेरी में एक कन्वेंशन सेंटर में रविवार सुबह हुए तीन धमाके में एक शख्स की मौत हो गई और 36 से अधिक लोग घायल हैं. केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने धमाके के बाद सरकारी स्वास्थ्य पेशेवरों से ड्यूटी पर आने का आग्रह किया है. वहीं, केरल के उद्योग मंत्री पी राजीव ने कहा कि विस्फोट स्थल की घेराबंदी कर दी गई है, पुलिस और अग्निशमन दल को राहत एवं बचाव कार्य में लगाया गया है. केरल में हुए इन सीरियल धमाकों की जांच केंद्रीय जांच एजेंसी (छ।) करेगी. केंद्र एनआईए के साथ एनएसजी की टीम भी भेज रही है. एनआईए की टीम जल्द मौके पर पहुंचने वाली है. NIA की फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंचेगी.।

अब 5जी की दुनिया में अग्रणी बनने की दिशा में आगे बढ़ा भारत

नई दिल्ली (एजेन्सी)। अक्टूबर 2022 प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में 5ळ सेवाओं का उद्घाटन किया। आम आदमी के लिए उन्होंने 5जी की धारणा पर जोर दिया कि यह विविध सामाजिक–आर्थिक क्षेत्र में नवाचारों को सक्षम करके आम आदमी के जीवन को बदल सकता है। इसे साकार करने के लिए मार्च 2023 में पीएम मोदी ने 100 5हस्ड़े की स्थापना पर जोर दिया है। पीएम मोदी की घोषणा अब हकीकत बन गई है, जहां 100 संस्थानों को 5जी लैब के पुरस्कार के लिए चुना गया है, जिसमें कॉम्पैक्ट 5जी नेटवर्क और ड्रोन, एआरवीआर हेड सेट, स्टार्ट अप केस्टिंग किट जैसे उपयोगी उपकरण शामिल हैं, जो शिक्षा, स्वास्थ्य से संबंधित केस अनुप्रयोगों को विकसित करने के लिए हैं। 100 नई 5जी प्रयोगशालाएं परीक्षण सह अध्ययन केंद्र के रूप में काम करेंगी, जो छात्रों और स्टार्टअप जैसे स्थानीय नवोन्वेषकों को कौशल प्रदान करेंगी और भारत की आम आदमी की जरूरतों के अनुसार नए रेंज के अनुप्रयोगों को विकसित करने में सहायता करेंगी, जिससे भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ सकेगा। अब पीएम मोदी की मौजूदगी में आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, अग्रणी होगा।

कांकेर जिले के भानुप्रताप पुर में राहुल गांधी नें एक चुनावी रैली को संबोधित किया

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविार को वादा किया कि वह राज्य में किसानों का कर्ज माफ करेंगे

नई दिल्ली (एजेन्सी)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविार को वादा किया कि वह राज्य में किसानों का कर्ज माफ करेंगे। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उनके झूठे वादों के लिए कटाक्ष करते हुए यह टिप्पणी की। कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि वे (भाजपा) किसानों का कर्ज माफ नहीं कर सकते, वे केवल अडानी का कर्ज माफ कर सकते हैं। हमने कहा था कि किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा और हमने ऐसा किया। मैं एक बार फिर यह वादा कर रहा हूं कि हम फिर से छत्तीसगढ़ के किसानों का कर्ज माफ करेंगे। गांधी ने कहा कि पीएम मोदी ने हर बैंक खाते में 15 लाख रुपये जमा करने का वादा किया था, लेकिन कुछ नहीं किया। मैं आपसे झूठे वादे नहीं करूंगा। मैं जो कहता हूं, वह करता हूं। भाजपा पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पार्टी किसानों का पैसा अडाणी समूह को देती है और दावा किया कि वह श्श्दो–तीन उद्योगपतियोंश्श के फायदे के लिए काम करती है। राहुल गांधी ने कहा कि यदि आप किसी भी सरकार को देखें, तो राज्य या देश के सबसे अमीर लोगों को लाभ पहुंचाने या देश या राज्य के सबसे गरीब लोगों की मदद करने के तरीके हैं। जहां हमारी सरकार किसानों, मजदूरों और गरीबों की मदद करती है, वहीं भाजपा सरकार केवल बड़ी–बड़ी बातें करती है लेकिन अंत में अडानी की मदद करते हैं। छत्तीसगढ़ में किसानों का कर्ज माफ करने का वादा करने के अलावा, गांधी ने स्कूलों और कॉलेजों के लिए मुफ्त शिक्षा का भी वादा किया। राहुल गांधी ने कहा कि हम आपके लिए एक बड़ा कदम उठाने जा रहे हैं जिसे हम श्केजी टू पीजीश् कहते हैं। केजी (किंडरगार्टन) से पीजी (पोस्ट–ग्रेजुएशन) तक छात्रों के लिए सरकारी संस्थानों में मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाएगी। उन्हें एक भी पैसा नहीं देना होगा। उन्होंने यह भी वादा किया कि अगर उनकी पार्टी राज्य में सत्ता बरकरार रखती है तो तेंदू पत्ता संग्राहकों को प्रति वर्ष 4,000 रुपये दिए जाएंगे। कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि वे (भाजपा) किसानों का कर्ज माफ नहीं कर सकते, वे केवल अडानी का कर्ज माफ कर सकते हैं। हमने कहा था कि किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा और हमने ऐसा किया। मैं

कलामासेरी के कन्वेंशन सेंटर में धमाका, एक व्यक्ति की मौत, 20 से ज्यादा घायल

कोच्चि (एजेन्सी)। केरल के कलामासेरी में एक कन्वेंशन सेंटर में रविवार सुबह हुए धमाके में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। कलामासेरी पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि फिलहाल धमाके की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। यह भी पुष्टि नहीं हो सकी है कि मौके पर एक से ज्यादा धमाका तो नहीं हुआ। अधिकारी के मुताबिक, धमाका कथित तौर पर एक ईसाई समूह के कन्वेंशन सेंटर पर हुआ। उन्होंने बताया कि सुबह नौ बजे धमाके की सूचना वाला फोन आया और पुलिस की मदद मांगी गई। टेलीविजन चौनल पर प्रसारित घटना के दृश्यों में बड़ी संख्या में दमकल कर्मियों और पुलिस कर्मियों को घटनास्थल से लोगों को निकालते हुए देखा जा सकता है। कन्वेंशन सेंटर के अंदर हुए धमाके के विचलित करने वाले दृश्यों में हॉल में कई जगहों पर आग लगी नजर आ रही है, जिससे डरे लोग चिल्लाते दिख रहे हैं। धमाके के बाद सैकड़ों लोग कन्वेंशन सेंटर के बाहर खड़े नजर आए। यह भी पुष्टि नहीं हो सकी है कि मौके पर एक से ज्यादा धमाका तो नहीं हुआ। अधिकारी के मुताबिक, धमाका कथित तौर पर एक ईसाई समूह के कन्वेंशन सेंटर पर हुआ।

सम्पादकीय

ईडी-आईटी के छापों से लेकर कुत्ते- बिल्ली जैसे बयानों तक

राजस्थान में धड़ाधड छापे पड़ रहे हैं। ईडी के भी। आईटी के भी। कांग्रेस गारंटी पर गारंटी उछाले जा रही है। कुछ राजस्थानी गारंटी तो कुछ पर कर्नाटक और छत्तीसगढ़ की छाप। हालाँकि ईडी के छापों के खिलाफ कांग्रेस जगह– जगह प्रदर्शन कर रही है लेकिन सवाल अभी भी खड़ा है कि चुनाव आचार संहिता के लागू होने के बाद इस तरह की कार्रवाई होनी चाहिए या नहीं?कुछ रिटायर्ड अफसर इसे सही नहीं मानते। उनका कहना है कि ज्यादातर मौकों पर सरकारें जितना नहीं कहतीं, उससे ज्यादा अफसर अपने नंबर बढ़वाने के लिए कर गुजरते हैं। उधार छत्तीसगढ में लड़ाई अब चरम पर है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों ने ईडी और आईटी को कुत्ते–बिल्ली कह दिया। इस पर विवाद चल रहा है।राजस्थान के ब्ड अशोक गहलोत ने कहा मैंने जांच एजेंसियों से टाइम मांगा, लेकिन एक बार टाइम दिया, बाद में मुकर गए। राजस्थान के ब्ड अशोक गहलोत ने कहा मैंने जांच एजेंसियों से टाइम मांगा, लेकिन एक बार टाइम दिया, बाद में मुकर गए।भाजपा का कहना है कि कांग्रेस नेताओं की भाषा संयम वाली नहीं है, जबकि कांग्रेस का कहना है कि सोनिया गांधी के बारे में जब– तब, कुछ तो भी बोलने वाली भाजपा हमें संयम का पाठ न ही पढ़ाए तो अच्छा है। मध्यप्रदेश में जरूर कांग्रेस के दो बड़े नेताओं के बीच मनमुटाव की खबरें आ रही हैं। ये खबरें अगर सच हैं तो पार्टी के लिए दुखदायी साबित हो सकती हैं। दरअसल, टिकट बँटवारे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और कमलनाथ में तनातनी चल रही है। कपड़े फाड़ने वाले कमलनाथ के पिछले बयान ने इस तनातनी के बीच आग में घी का काम किया। दोनों नेताओं के अपने चहेते हैं। वे भी इस दरार में अपनी– अपनी भूमिका निभा रहे हैं।कांग्रेस पार्टी के स्तर पर इस मनमुटाव का निराकरण तुरंत नहीं हुआ तो यह मामला गंभीर रूप ले सकता है। बहरहाल, तीनों राज्यों में चुनाव प्रचार धीरे– धीरे परवान चढ़ रहा है।मध्य प्रदेश में टिकट बँटवारे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और कमलनाथ में तनातनी चल रही है।मध्य प्रदेश में टिकट बँटवारे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और कमलनाथ में तनातनी चल रही है।राजस्थान में सक्रियता फिलहाल कम है क्योंकि वहाँ मतदान में अभी वक्त है। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में बड़े नेताओं की सभा– रैली भी शुरू हो चुकी हैं और रूठे हुए लोगों को मनाने या उनपर कार्रवाई करने का काम भी जोर– शोर से चल रहा है।चुनाव आयोग अपने दायरे में अपनी भूमिका अब तक तो बखूबी निभा रहा है। प्रत्याशियों के खर्चों और उनके बयानों, हेड स्पीच जैसे कारनामों पर पैनी नजर रखी जा रही है। चाहे सत्तारूढ़ पार्टी हो या विपक्षी दल, दोनों ओर चुनाव आयोग का डर तो कधयम है।तमाम नियम–कधयदों के बीच गलियाँ निकालने में हालाँकि राजनीतिक पार्टियाँ और उनके नेता माहिर होते हैं लेकिन फिर भी आयोग इन सारी गलियों को भी बंद करने में लगा हुआ है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों ने ईडी और आईटी को कुत्ते–बिल्ली कह दिया। इस पर विवाद चल रहा है।राजस्थान के ब्ड अशोक गहलोत ने कहा मैंने जांच एजेंसियों से टाइम मांगा, लेकिन एक बार टाइम दिया, बाद में मुकर गए। राजस्थान के ब्ड अशोक गहलोत ने कहा मैंने जांच एजेंसियों से टाइम मांगा, लेकिन एक बार टाइम दिया, बाद में मुकर गए।भाजपा का कहना है कि कांग्रेस नेताओं की भाषा संयम वाली नहीं है, जबकि कांग्रेस का कहना है कि सोनिया गांधी के बारे में जब– तब, कुछ तो भी बोलने वाली भाजपा हमें संयम का पाठ न ही पढ़ाए तो अच्छा है। मध्यप्रदेश में जरूर कांग्रेस के दो बड़े नेताओं के बीच मनमुटाव की खबरें आ रही हैं। ये खबरें अगर सच हैं तो पार्टी के लिए दुखदायी साबित हो सकती हैं। दरअसल, टिकट बँटवारे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और कमलनाथ में तनातनी चल रही है। कपड़े फाड़ने वाले कमलनाथ के पिछले बयान ने इस तनातनी के बीच आग में घी का काम किया। दोनों नेताओं के अपने चहेते हैं। वे भी इस दरार में अपनी– अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

सरकारी कर्मचारियो, अब X पर आपकी रेटिंग हो रही है!

पढ़कर दिमाग के घोड़े न दौड़ाएं। मैं यहां सोशल नेटवर्किंग साइट की बात कर रहा हूं, जो पहले ट्विटर कहलाता था। इस हफ्ते दो विरोधाभासी चीजें हुईं। जिन्होंने लोगों का काम किया, उन्हें प्रशंसा मिली और जिसने इंकार कर दिया, वो सस्पेंड हो गया। पहले सकारात्मक खबर।

उनके पति दिहाड़ी पर काम करने वाले कुली थे और वह ईंट भट्टे पर काम करती थीं। परिवार में पांच बच्चे थे। इस साल 18 मार्च को 37 वर्षीय मुथुलक्ष्मी ने वृद्धाचलम डीएसपी (तमिलनाडु) ए अरोकियाराज से उस वाहन की पहचान करने के लिए कहा, जिसने उनके पति शक्तिवेल को कुचल दिया था, ताकि वह मुआवजे का दावा कर सकें क्योंकि वह बच्चों की देखभाल करने में जूझ रही थीं।अरोकियाराज ने मुथुलक्ष्मी की बात की पुष्टि करने के लिए अपने ड्राइवर को भेजा। ड्राइवर ने उनके घर का वीडियो बनाया। वह घास–फूस की झोपड़ी थी, दीवारें क्षतिग्रस्त थीं और छत फ्लेक्स से ढकी थी। उनकी गरीबी देखकर अरोकियाराज ने अपने व्हाट्सएप ग्रुप 'उधवुम इधायंगल' (मददगार दिल) के माध्यम से पुलिसकर्मियों और प्रतिष्ठित लोगों से मदद मांगने का फैसला किया और मुथुलक्ष्मी के लिए पक्का घर बनवाया।हर मदद का हिसाब–किताब रखा गया। एक ठेकेदार आगे आया और घर बनाया, एक व्यापारी ने खर्च उठाया। एक पुलिस इंस्पेक्टर ने सीमेंट भेजी, जिले के खदान मालिकों ने मुफ्त में रेत और ब्लू मेटल्स भेजीं और भी कई लोगों ने रुपयों से मदद की। 10 लाख रुपए से भी ज्यादा कीमत में घर बन गया।मुथुलक्ष्मी की सबसे बड़ी बेटी एस. संध्या (17) का दसवीं में गणित में फेल होने के बाद स्कूल छूट गया था। पुलिस ने उसे सप्लीमेंट्री परीक्षा दिलवाई। बाकी बच्चों का नजदीकी स्कूल में दाखिला करवाया। इस बुधवार को गृह प्रवेश की पूजा रखी गई, जिसमें बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी शामिल हुए और उन्हें बर्तन, गैस, किराने समेत कई तोहफे दिए।और अब नकारात्मक खबर। उसी बुधवार को महाराष्ट्र सरकार ने एक मैरिज रजिस्ट्रार को सस्पेंड कर दिया क्योंकि उसने सरकारी दस्तावेज पर दुल्हन के साइन लेने के लिए दो मंजिल सीढ़ी उतरकर आने से मना कर दिया था। सपनों के शहर मुंबई में दुर्भाग्य से मैरिज रजिस्ट्रार के दफ्तर ऐसी इमारतों में हैं, जहां कोई नहीं जाना चाहता।संकरी सीढ़ियां और लिफ्ट नहीं होने से दुल्हन विराली मोदी को दूसरे माले पर बने ऑफिस तक पहुंचना मुश्किल था। यही ऑफिस अमीरों और बॉलीवुड हस्तियों की शादियां रजिस्टर करने के लिए उनके घर तक दौड़ा चला आता है पर व्हीलचेयर पर बैठी दुल्हन के साइन लेने के लिए आने से मना कर दिया।विराली ने सरकारी कर्मचारी के अमानवीय व्यवहार का हवाला देते हुए उप–मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को टैग करते हुए 'एक्स' पर ट्वीट किया। चंद घंटों के भीतर फडणवीस ने उत्तर दिया। उन्होंने पहले नवदंपति को बधाई दी, फिर रजिस्ट्रार के व्यवहार पर माफी मांगी। उन्होंने रजिस्ट्रार अरुण घोडेकर को अगले आदेश तक सस्पेंड कर दिया और चंद्रपुर ऑफिस में रिपोर्ट करने कहा है।राज्य सरकार ने बुधवार को जारी आदेश में कहा कि कमजोर तबके को भी सेवाएं व प्रतिक्रिया देना सरकारी अधिकारियों का कर्तव्य है। नियमों के अनुसार, सरकारी अधिकारी को विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करने के लिए उस जगह जाना जरूरी है, जो कि उचित दूरी पर है।घोडेकर को विराली की दिव्यांगता के बारे में बताया गया था, उसके बावजूद उसने ऊपर आने के लिए बाध्य किया और उसे कुछ लोगों को उठाकर लाना पड़ा। यह अलग कहानी है और विराली को ताज्जुब है कि क्यों हर सरकारी इमारत अभी भी दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों के अनुकूल नहीं है।फंडा यह है कि अगर आप भी सरकारी नौकरी जॉइन करना चाहते हैं, तो जरूरतमंदों को सेवाएं देना अपना मिशन बनाएं, नहीं तो 'ग' पर नाप दिए जाएंगे और परिणाम भुगतने होंगे। सपनों के शहर मुंबई में दुर्भाग्य से मैरिज रजिस्ट्रार के दफ्तर ऐसी इमारतों में हैं, जहां कोई नहीं जाना चाहता।संकरी सीढ़ियां और लिफ्ट नहीं होने से दुल्हन विराली मोदी को दूसरे माले पर बने ऑफिस तक पहुंचना मुश्किल था।

कतर की कुटिलता

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

निया के अलगदृअलग क्षेत्रों में वैधानिक सत्ता के खिलाफ हिंसक संघर्ष करने वाले इस्लामिक कट्टरपंथी समूहों को वार्ता की मेज पर बिठा लेने में माहिर कतर की वैदेशिक नीतियां विरोधाभासों से घिरी हुई रही है। यही कारण है की २०१७ में सऊदी अरबॉ संयुक्त अरब अमीरातॉ मिस्र और बहरीन ने उस पर ईरान के करीब होने और अल जजीरा के माध्यम से क्षेत्र में अस्थिरता फैलाने का आरोप लगाते हुए उसके साथ संबंध तोड़ दिए थे। द दुनिया के सम्पन्न राष्ट्रों में शुमार साढ़े तीन लाख आबादी वाले इस देश में तालिबान और हमास जैसे आतंकी संगठनों के कार्यालय भी मिल जाएंगेॉ वहीं अल जजीरा जैसे चौनल के माध्यम से खाड़ी देशों की जनता को भ्रमित करने की कोशिशें भी दिख जाएगी। यह वही अल जजीरा हैॉ जिसनें दुनिया को धमकाने के लिए पहली बार चरमपंथियों को लोगों का सिर काटते हुए दिखाया था। दरअसलॉ कतर में आठ भारतीय पूर्व नौसैनिकों को पिछले साल सितम्बर में बंदी बनाने और उन्हें मौत की सजा सुनाने के मामले में कतर सरकार की भारत को लेकर जो नीतियां नजर आई हैॉ वह अविश्वसनीय है। छलॉ कपटॉ द्वेष और प्रतिद्वंद्विता की कूटनीति दुश्मन देशों के बीच तो सकती हैॉ लेकिन कतर से इसकी अपेक्षा नहीं की जा सकती थी। कतर और भारत के आद्दथक और राजनीतिक संबंध बेहतर रहे हैॉ लेकिन उसका भारत के पूर्व नौसैनिकों को लेकर किया गया व्यवहार बेहद असंगत नजर आता है। द सितम्बर २०२२ में कतर सरकार ने आठ पूर्व भारतीय नौसैनिकों को गिरफ्तार करने की सूचना भारत सरकार को नहीं दी थी। यह समूचा मामला एक ट्विट के बाद संज्ञान में आया। जिन भारतीयों को कतर सरकार ने बंदी बनाया वे भारतीय नौसेना के जिम्मेदारॉ बेदाग और रिटायर्ड अधिकारी थे। इन पूर्व नौसैनिकों पर आरोप है कि उन्होंने कथित तौर पर अति उन्नत इतालवी पनडुब्बी को खरीदने से संबंधित कतर के खुफिया कार्यक्रम के बारे में इस्राइल को जानकारी दी थी। यह भी दिलचस्प है कि अमानवीय कृत्यों के लिए कुख्यात आतंकियों और उनके संगठनों से बातचीत की हिमायत करने वाले कतर ने भारतीय नौसैनिकों को लेकर

मध्यस्थता के रूप में वैश्विक पहचान बना चूके कतर ने भारत जैसे महान लोकतंत्र के नागरिकों को जिस प्रकार निशाना बनाने की कोशिश की हैॅउससे एक बार फिर यह साफ हो गया की इस देश की मानवाधिकारों को लेकर वैश्विक आलोचना क्यों होती है। कतर दुनिया के सबसे धनी देशों में शामिल है और यहां गरीबी पर सार्वजनिक चर्चा करने को अपराध माना जाता है। मुख्य रूप से तेल और गैस से मिलने वाली आय के कारण कतर का सकल घरेलू उत्पाद १८० अरब डॉलर का है। द यही कारण है कि दसियों लाख अप्रवासी मजदूर यहां के रेगिस्तान में बड़े पैमाने पर हो रहे निर्माण परियोजनाओं में काम करने के लिए आकृषत होते हैं। इन कामगारों की गरीबी को छुपाने के लिए इन्हें अलग थलग और बहुत दुर्गम को जगहों पर रखा जाता है। कतर की सरकार ने फीफा विश्व कप के लिए स्टेडियमों को बनाने के लिए तीस हजार विदेशी कामगारों को काम पर रखा गया था।

कैदियों के अंतराष्ट्रीय नियमों का पालन भी नहीं किया। न्याय को लेकर कोई पारदद्दशता नहीं दिखाई और न ही सूचनाएं साझा की गई। खाड़ी के देशों में न्याय को लेकर विभिन्न सरकारों का नजरियां मध्ययुगीन रहा है और संभवतः इसीलिए सम्पन्न होने के बाद भी यह इलाका हिंसा और रक्तपात से कभी उभर ही नहीं पाता है। मध्यस्थता के रूप में वैश्विक पहचान बना चूके कतर ने भारत जैसे महान लोकतंत्र के नागरिकों को जिस प्रकार निशाना बनाने की कोशिश की हैॉउससे एक बार फिर यह साफ हो गया की इस देश की मानवाधिकारों को लेकर वैश्विक आलोचना क्यों होती है। कतर दुनिया के सबसे धनी देशों में शामिल है और यहां गरीबी पर सार्वजनिक चर्चा करने को अपराध माना जाता है। मुख्य रूप से तेल और गैस से मिलने वाली आय के कारण कतर का सकल घरेलू उत्पाद १८० अरब डॉलर का है। द यही कारण है कि दसियों लाख अप्रवासी मजदूर यहां के रेगिस्तान में बड़े पैमाने पर हो रहे निर्माण परियोजनाओं में काम करने के लिए आकद्दषत होते हैं। इन कामगारों की गरीबी को छुपाने के लिए इन्हें अलगदृथलग और बहुत दुर्गम को जगहों पर रखा जाता है। कतर की सरकार ने फीफा विश्व कप के लिए स्टेडियमों को बनाने के लिए तीस हजार विदेशी कामगारों को काम पर रखा गया था। इनमें से अधिकांश बांग्लादेशॉ भारतॉ नेपाल और फिलीपींस से थे। विश्व कप की तैयारी के दौरान मरने वाले कामगारों की संख्या को लेकर काफी विवाद रहा है। कतर में स्थित तमाम देशों के दूतावासों से मिले आंकड़े बताते हैं कि साल २०१० में जबसे वर्ल्ड कप की मेजबानी कतर को सौंपी गईॉ तब से भारतॉ पाकिस्तानॉ नेपालॉ बांग्लादेश और श्रीलंका के साढ़े छह हजार कामगारों की मौत हुईॉ जबकि कतर ने इसे भ्रामक बताया था। महिलाओं को लेकर भी इस देश में बेहद क्रूर व्यवहार अपनाया जाता है। यहां पर महिलाओं अपनी जिंदगी के हर जरूरी और अहम फैसले के लिए अपने पुरुष गाद्दजयन की लिखित अनुमति लेना अनिवार्य होता है। हालांकि भारतीय नौसैनिकों को लेकर कतर के अमानवीय वष्टिकोण के साथदृसाथ उसकी इस्लामिक देशों में बढ़त बनाने की कूटनीति से भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। द इस्लामिक दुनिया के नेतृत्व को सऊदी अरबॉ ईरान और तुर्की के बीच कड़ी प्रतिद्वंद्विता चलती रही हैॉ लेकिन कतर ने गृह युद्ध से जूझते इस्लामिक देशों में अपनी जो पहचान बनाई हैॉ वह उसकी कुटिलता को सामने लाती है। कतर ने २००८ में यमन की सरकार और हूती विद्रोहियों के बीच मध्यस्थता की। २००८ में लेबनान के युद्धरत गुटों के बीच वार्ता में मध्यस्थता कीॉ जिसके बाद वहां २००६ में गठबंधन की सरकार बनी। २००६ में ही सूडान और चाड के बीच विद्रोहियों के मुद्दे पर बातचीत में भाग लिया। जिबूती और इरिट्रिया के बीच सीमा पर सशस्त्र संघर्ष के बाद कतर की मध्यस्थ की भूमिका के साथ २०११ में सूडान की सरकार और विद्रोही समूह के बीच दारफूर समझौता करायाॉ जिसे दोहा समझौता भी कहा जाता है। इस समय हमास और इस्राइल में भीषण युद्ध चल रहा है और भारत ने इस्राइल का पक्ष में खड़े होने का साहस दिखाते हुए खाड़ी देशों को भी चौंका दिया है। यह भारत की फिलिस्तीन नीति को लेकर पारंपरिक रु ख से अलग बताया जा रहा है। कतर ने भारतीय अधिकारियों पर इस्राइल के लिए जासूसी का आरोप लगाकर खाड़ी देशों में काम करने वाले लाखों भारतीयों के भरोसे को संकट में ला दिया है। कतर की भारत पर दबाव बनाने की यह कोशिश भी हो सकती है कि वह अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर इस्राइल को गाजा पर हमला करने से रोके। द २००८दृ२००६ के इस्राइलदृगाजा संघर्ष को लेकर कतर ने अरब राज्यों और ईरान के एक आपातकालीन सम्मेलन की मेजबानी की थी। कतर और इस्राइल के राजनयिक संबंध नहीं हैं। इस्राइलॉ हमास को लेकर बेहद गुस्से में है। जाहिर है कतरॉ इस्राइल के मित्र देश भारत पर मनौवैज्ञानिक दबाव डालने की कोशिश कर रहा हो। हॉ इस प्रकरण के सामने आने की टाइमिंग भी कई सवाल खड़ेद्द करती है। निःसंदेह भारत के लिए अपने नागरिकों को बचाना बड़ी चुनौती होगी। वहीं यह कूटनीतिक बदलावों के लिए सबक भी हो सकता है। द महान दिमाग विचारों पर चर्चा करते हैं। औसत दिमाग घटनाओं पर चर्चा करते हैं। छोटे दिमाग लोगों पर चर्चा करते हैं ।

सरकारें होती ही इसलिए हैं कि वे सामाजिक न्याय करें

कुछ बातों का आकलन सधा हुआ होना चाहिए, न कि जल्दबाजी वाला। अब से कुछ महीने पहले काफी चर्चा हुई थी कि क्या सरकारों को मुफ्त बिजली–पानी जैसे वादे करने चाहिए? बहस राजनीतिक हो गई थी और दोनों पक्ष अपने समर्थन में तर्क दे रहे थे। लेकिन इसका निष्पक्ष आकलन क्या होगा? बात शुरू करते हैं कि आखिर लोकतंत्र में लोग सरकारें क्यों चुनते हैं?इसलिए कि वो बिजली और पानी को कीमत लगाकर बेचें या फिर इसलिए कि लोगों की दैनिक जरूरत की हर चीज को उनकी आर्थिक क्षमता के आधार पर सुनिश्चित करें? जवाब इतना मुश्किल नहीं है। लोकतांत्रिक रूप से चुनी सरकारों की एक महत्वपूर्ण संवैधानिक जिम्मेदारी सामाजिक न्याय और समानता सुनिश्चित करना होता है।सामाजिक न्याय की अर्थशास्त्रियों और समाजशास्त्रियों ने कई रूप से व्याख्या की है। उनमें से एक व्याख्या डॉ. अमर्त्य सेन की है कि सामाजिक न्याय का अर्थ सभी को समान अवसर देना है, जो उसे अच्छे जीवन के मौके दे। हर बच्चे को– चाहे वह समाज के किसी भी तबके से आता हो– अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं मिलना, उसकी क्षमताओं को उभरने का मौका देना, यह सब सरकारों और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। सामाजिक न्याय का एक अन्य रूप ह्यूमन कैपिटल या मानव विकास अवधारणा से आता है। अच्छी शिक्षा व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाएं मानव विकास में भूमिका निभाती हैं। जब लोग स्वस्थ और शिक्षित होंगे तो वो अपने परिवार को गरीबी के चंगुल से निकाल पाएंगे और ऐसी आबादी देश के लिए कार्यबल लेकर आएगी, जो देश के विकास में भी भागीदारी करेगी। चाहे किसी भी नजर से देखें, देश और समाज में कोई भी व्यक्ति शिक्षित और स्वस्थ होता है तो उसमें देश की ही भलाई होती है। इसीलिए दुनियाभर में– लगभग पूरे यूरोप में– स्वास्थ्य और शिक्षा सर्वसुलभ होते हैं। सरकारी स्कूल और सरकारी अस्पताल किसी भी निजी स्कूल या अस्पताल से बेहतर नहीं तो बराबर जरूर होते हैं। लकिन भारत जैसे देश में अभी भी सरकारें स्कूलों और अस्पतालों पर खर्च करने में हिचकती हैं। जब बिजली उपलब्धा होती है तो किसान खेतों में पानी दे सकता है। जब सड़कें ठीक बनी होती हैं तो एक मजदूर काम की तलाश में अपनी साइकिल लेकर निकल पड़ता है। लेकिन जब सरकारें इन जिम्मेदारियों को नहीं निभाती हैं तो सबसे अधिक नुकसान ग्रामीण और गरीब तबके के लोगों को होता है। अमीर लोग तो निजी क्षेत्रों में इलाज और शिक्षा का इंतजाम कर लेते हैं, पर गरीब तबका उसी चक्र में फंसा रह जाता है। फिर अगर सरकारें कुछ करती भी हैं, तो नजरिया समेकित नहीं होता है। उदाहरण के लिए, गरीबी रेखा से नीचे रहने वालों के लिए तो कुछ योजनाएं हैं, लेकिन भारतीय राज्यों में एक बड़ा तबका निम्न मध्यम आय वर्ग का है। यह गरीब तो नहीं, लेकिन इसके पास संसाधन इतने नहीं हैं कि जरूरत की चीजें परिवार को दे सके। ये अधिकतर सरकारी योजनाओं से वंचित रहते हैं। कैसे शिक्षा और स्वास्थ्य जीवन में बदलाव ला सकते हैं, इसका मैं अपने ही जीवन से उदाहरण देना चाहूंगा। मेरा जन्म मध्य प्रदेश के एक गांव में हुआ था। जब मैं सात वर्ष का था, तब वहां बिजली के खम्भे गड़ने शुरू हुए। जीवन के पहले 17 सालों में अपने गांव और जिले के पचास किलोमीटर के दायरे से बाहर नहीं गया था। सिर्फ दो बार ट्रेन यात्रा की थी। उसके बाद के 25 सालों में मैं दुनिया के पचास से अधिक देशों में पहुंचा और वहां की स्वास्थ्य सेवाओं पर सुझाव दिए। यह सब इसलिए संभव हो पाया क्योंकि मेरे गांव में सरकारी स्कूल था और कुछ सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध थीं, मेरा परिवार उनका इस्तेमाल कर पाया। भारत के राज्यों में पिछले दो दशकों में तेजी से आर्थिक विकास हुआ है। लेकिन सामाजिक विकास के आंकड़ों पर नजर डालें तो वहां अधिक सुधार नहीं हुए हैं। अधिकतर सरकारें मॉल बनवाने के लिए तो उत्साहित हैं लेकिन सामाजिक विकास पर खर्च कम करती जा रही हैं। एक गरीब व्यक्ति को भी बिजली उपलब्ध होनी चाहिए, जिससे दिन भर की थकान के बाद वो एक पंखे में सो सके। रसोई गैस उसकी आर्थिक क्षमता के भीतर होनी चाहिए। किसी भी आयवर्ग के परिवार के बच्चों को अच्छे और मुफ्त सरकारी स्कूल मिलने चाहिए। जरूरत पड़ने पर बीमारी का इलाज कराने का निर्णय उनकी आर्थिक क्षमता पर न निर्भर करे। यह सब सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। हम सरकारें इसलिए ही चुनते हैं कि वे सामाजिक न्याय और समानता की जिम्मेदारी निभाएं। चाहे किसी भी नजर से देखें, देश और समाज में कोई भी व्यक्ति अगर शिक्षित और स्वस्थ होता है तो उसमें देश की ही भलाई होती है।

विश्व सिनेमा की जादुई दुनिया: साहित्याधारित फिल्मों के निर्देशक- जो राइट

सहज, खूबसूरत एलीजाबेथ के रूप में कैरा नाइटली को परदे पर देखना आंखों को सकून देता है। फिल्म में बॉलडॉन्स की भव्यता देखते बनती है।दो साल बाद २००७ में फिर जो राइट ने कैरा नाइटली को लेकर 'एटोनमेंट' बनाई। बचपन में व्यक्ति खुद को बहुत बुद्धिमान समझते हुए कुछ ऐसा कर जाता है, जिसके कारण कई जिंदगियां बर्बाद हो जाती हैं। एक झूठ जो तबाही मचाता है, वह लाख पश्चाताप के बाद भी ठीक नहीं किया जा सकता है। झूठ बोलने वाला व्यक्ति पश्चाताप की अग्नि में जलता है। मगर पश्चाताप से पाप का मोचन नहीं होता है।इआन मैकइवान के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है यह करीब दो घंटे की फिल्म। तेरह साल की उम्र में बोला गया झूठ सारी जिंदगी लिख कर उससे होने वाले नुकसान की भरपाई नहीं कर पाता है।

लंदन में जन्मे जो राइट सिने–निर्देशन के अलावा ड्रामा कलाकार भी हैं। फिल्म से बचे समय में वे ड्रामा क्लब में नजर आते हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत अपने माता–पिता (जॉन राइट एवं लिंडी राइट) के पपेट थियेटर से की थी।इंग्लिश सिने–निर्देशक जो राइट को खासतौर पर 'प्राइड एंड प्रिजुडिस', 'अटोनमेंट' तथा 'आना केरेनीना' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है, वैसे उन्होंने कई और फिल्में भी बनाई हैं। उनकी अन्य फिल्मों के नाम हैं– 'डार्केस्ट ऑवर', 'प्रिंसेस एंड पेपरनोज', 'द वूमन इन द विन्डो', 'हना', 'ब्लैक मिरर', 'सोलोइस्ट' आदि। जो राइट की झोली में 12 पुरस्कार में 2 बाफ्टा पुरस्कार भी शामिल हैं। उन्हें चार बार ऑस्कर नामांकन भी मिला है।

25 अगस्त 1972 को लंदन में जन्मे जो राइट सिने–निर्देशन के अलावा ड्रामा कलाकार भी हैं। फिल्म से बचे समय में वे ड्रामा क्लब में नजर आते हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत अपने माता–पिता (जॉन राइट एवं लिंडी राइट) के पपेट थियेटर से की थी। वे थियेटर स्कूल में पढ़ाने का काम भी करते हैं। इतना ही नहीं वे मंच तथा फिल्म के अभिनेता भी हैं।

उन्होंने टीवी के 'वनफुट इन द ग्रेव' के एक एपीसोड में अभिनय किया तथा 'रेवोल्यूशन' फिल्म में काम किया, हालांकि क्रेडिट में उनका नाम नहीं आता है। उन्होंने लंदन के सेंट मार्टिन्स आर्ट स्कूल सेफिल्म मेकिंग का कोर्स किया है और कैम्बेरवेल आर्ट कॉलेज से भी प्रशिक्षण पाया है।जो का भारत से रिश्ता सदा से पेंटिंग में रुचि रखने वाले जो राइट का दूर से ही सही, एक समय भारत से संबंध रहा है। 2010 से 2019 तक वे अनुष्का शंकर के पति और सितार मास्टर रविशंकर के दामाद थे। अनुष्का और उनके दो बेटे (जुबीन शंकर राइट तथा मोहन शंकर राइट) हैं। अब तलाक के बाद वे अलग रह रहे हैं। गर्लफ्रेंड से उनकी एक बेटी भी है।केरा नाइटली उनकी एक पसंदीदा अभिनेत्री हैं। प्रसिद्ध अभिनेत्री केरा नाइटली ने जो राइट के निर्देशन में अब तक 'प्राइड एंड प्रिज्यूडीज' (2005), 'एटोनमेंट' (2007) तथा 'एना केरेनीना' (2012) तीनफिल्मों में अभिनय किया है। 2007 में जब वे अपनी फिल्म 'एटोनमेंट' लेकर वेनिस फिल्म फेस्टिवल में गए तो वे वहां के इतिहास में फिल्म ले जाने वाले सबसे युवा निर्देशक थे।'प्राइड एंड प्रिज्यूडीज' फिल्म के विषय में उनका कहना है कि यह उनकी पहली सुखांत फिल्म है। वे मानते हैं कि सुखांत और आकांक्षाओं की पूर्ति संस्कृति का हिस्सा है। हर नई फिल्म उन्हें कुछ सिखा जाती है। 2005 की फिल्म 'प्राइड एंड प्रिज्यूडीज' जेन ऑस्टिन के इसी नाम के प्रसिद्ध उपन्यास पर आधारित है। दो घंटे से कुछ ऊपर की इस फिल्म में मिसेज बेनेट की पांच बेटियां हैं और उनके जीवन का एक ही मिशन है, अपनी बेटियों की शादी। मां की आंख सदा धनी पुरुषों पर रहती है। वे क्रमवार लड़कियों की शादी करना चाहती हैं यानी पहले सबसे बड़ी की,फिर उसके बाद वाली की औरफिर तीसरी की।मगर चाहने से क्या होता है, कौन कब किसे पसंद करेगा कौन तय कर सकता है? सहज, खूबसूरत एलीजाबेथ के रूप में कैरा नाइटली को परदे पर देखना आंखों को सकून देता है। फिल्म में बॉलडॉन्स की भव्यता देखते बनती है।दो साल बाद 2007 में फिर जो राइट ने कैरा नाइटली को लेकर 'एटोनमेंट' बनाई। बचपन में व्यक्ति खुद को बहुत बुद्धिमान समझते हुए कुछ ऐसा कर जाता है, जिसके कारण कई जिंदगियां बर्बाद हो जाती हैं। एक झूठ जो तबाही मचाता है, वह लाख पश्चाताप के बाद भी ठीक नहीं किया जा सकता है। झूठ बोलने वाला व्यक्ति पश्चाताप की अग्नि में जलता है। मगर पश्चाताप से पाप का मोचन नहीं होता है।इआन मैकइवान के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है यह करीब दो घंटे की फिल्म। तेरह साल की उम्र में बोला गया झूठ सारी जिंदगी लिख कर उससे होने वाले नुकसान की भरपाई नहीं कर पाता है। फिल्म में अभिनय, कहानी और कैमरावर्क सब उत्तम कोटि का है। बिना खुद देखे इस फिल्म को नहीं समझा जा सकता है और न ही इसका आनंद लिया जा सकता है।'आना कैरेनीना' उपन्यास पर आधारित फिल्म फिर पांच साल बाद हम जो राइट तथा कैरा नाइटली को साथ पाते हैं। एक बार इस बार की फिल्म भी साहित्य आधारित है। इस बार रूस के विश्व प्रसिद्ध रचनाकार लियो टॉल्सटॉय लेखक हैं और उपन्यास है 'आना कैरेनीना'। इस कालजयी उपन्यास पर अब तक 27 फिल्म बनने की बात इंटरनेट डाटा कहता है। हम खुद को जो राइट कीफिल्म पर सीमित रखेंगे।दो घंटे की इस फिल्म का स्क्रीनप्ले प्रसिद्ध नाटककार टॉम स्टॉपर्ड ने लिखा है। आना के पति कैरेनीन के रूप में प्रसिद्ध अभिनेता जूड लॉ हैं, आना के रूप में हैं कैरा नाइटली। गति का प्रतिनिधित्व करती कैरा नाइटली डायनमिक हैं। कैरा नाइटली के डॉयमंड अपनी चमक बिखेर रहे हैं। उपन्यास का यह एक अनोखा संस्करण है। तकरीबन पूरी फिल्म स्टेज सेटिंग पर फिल्माई गई है। नाटकीयता से भरपूर अभिनय। यहां तक कि घुड़दौड़ की प्रतियोगिता का प्रमुख दृश्य भी स्टेज पर फिल्माया गया है। यह फिल्म तकनीकि का भरपूर उपयोग करती है। शैली के क्या कहने, प्रकाश–छाया, कैमरे के एंग्ल्स, पल–पल बदलते सेट, परदा, पोशाक, जेवरात,फर्नीचर, स्केटिंग रिंग, एडीटिंग। ओह! क्या नहीं है यहां! सब कुछ इतना चमकता हुआ, इतना आकर्षक है कि दर्शक इन सब में खो जाता है।यही इस फिल्म की ताकत है और यही इस फिल्म की सीमा भी। ग्रेट एक्ट्रेस कैरा नाइटली के विषय में निर्देशक जो राइट का कहना है कि कैरा नाइटली मजबूत और बहादुर है। उनमें तरह–तरह की भूमिका करने का साहस है। वे आना कैरेनीना की आंतरिक संवेदनाओं–भावनाओं को उभारने में सफल रही हैं। जो राइट के अनुसार उन्होंने 'आना केरेनीना' एक बैले के रूप में बनाया है। लोकेशन पर जा कर शूटिंग न करके जो राशि बची वह निर्देशक ने कपड़ों, सेट डेकोरेशन और कैमरा मूवमेंट तथा कोरियोग्राफी पर दिल खोल कर खर्च की। सेट डेकोरेशन तथा फोटोग्राफ्री के लिए इसे ऑस्कार नामांकन प्राप्त हुए।जो राइट की जिस एक और फिल्म की चर्चा करना चाहूंगी वह है, 'द वूमन इन द विन्डो'। 2021 की इस फिल्म में खुले स्थान एवं भीड़ से भयभीत एक स्त्री (एमी एडम्स) न्यूयॉर्क में अकेली रह रही है। वह अपने पड़ोसी की जासूसी करने लगती है और एक बहुत बेचौन करने वाला अत्याचार की साक्षी बनती है। क्या सच में अत्याचार हुआ अथवा यह उस स्त्री की कल्पना मात्र है।फिल्म देखते हुए हिचकॉक की 'रियर विन्डो' की याद आनी स्वाभाविक है। परफिल्म देखें और स्वयं तय करें कि यथार्थ क्या है। पौने दो घंटे से कम अवधि की यह फिल्म भी साहित्य पर आधारित है। 2018 में ए.जे. फिन का उपन्यास बेस्ट–सेलर था। हालांकि 'आना कैरेनीना','एटोनमेंट' या 'प्राइड एंड प्रिज्यूडीज' से इसकी तुलना नहीं हो सकती है।

जो राइट स्वयं को पैदाइशी सिने–निर्देशक मानते हैं और बहुत भाग्यशाली भी मानते हैं। आशा है शीघ्र हमें उनसे औरफिल्में प्राप्त होंगी। डिस्क्लेमर (अस्वीकरण)रू यह लेखक के निजी विचार हैं। आलेख में शामिल सूचना और तथ्यों की सटीकतु, संपूर्णता के लिए अमर उजाला उत्तरदाई नहीं है। अपने विचार हमें इसवह/नू.बव.पद पर भेज सकते हैं। लेख के साथ संक्षिप्त परिचय और फोटो भी संलग्न करें।

पुलिस मुठभेड़ में दो शातिर अपराधी गिरफ्तार, तीन मौके से फरार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पुलिस द्वारा अपराधियों पर नकल करने के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा लगातार अपराधियों की धर पकड़ हेतु अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार देर रात थाना खुटहन, शाहगंज व थाना सरपतहा की संयुक्त टीम के साथ हुए मुठभेड़ में 2 अन्तर्जनपदीय शातिर अपराधी गिरफ्तार किए गए है।पुलिस में इनके कब्जे से तमंचा कारतूस मोबाइल व गांजा बरामद किया है। जबकि अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से तीन बदमाश पर हो गए हैं जिनकी पुलिस तलाश कर रही है।

सोमवार को घटना के संबंध में जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार शुभम तोदी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा के निर्देश पर अपराधियों की धरपकड़ हेतु वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था कि इस दौरान बीती रात शाहगंज खुटहन व सरपतहा थाना पुलिस द्वारा संयुक्त मुठभेड़ के दौरान दो अपराधियों अमजद शेख पुत्र अनवर शेख निवासी पटेल थाना खुटहन व सारिक पुत्र सलाउद्दीन निवासी पटेला जौनपुर को गिरफ्तार किया गया है जबकि तीन मौके का फायदा उठाकर भाग निकले हैं। उनको पकड़ने के लिए टीम गठित कर दी गई है तलाश की जा रही है बदमाशों के पास से तमंचा कारतूस व 20 किलो मादक पदार्थ बरामद किया गया है। इनके खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधि कार्रवाई की जा रही है।

कायस्थ समाज 15 नवंबर को आयोजित करेगा सामूहिक कलम-दवात पूजन व सम्मान समारोह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गाजियाबाद।अखिल भारतीय चित्रगुप्त कायस्थ महासभा ने एक बैठक कर 15 नवंबर को भगवान चित्रगुप्त कलम–दवात पूजन एवं सम्मान समारोह का आयोजन करने का निर्णय लिया है। प्रताप विहार में हुई इस बैठक में संस्था के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। सर्वसम्मति से निश्चित किया गया है कि कलम दवात पूजन एवं सम्मान समारोह के बाद प्रसाद वितरण के लिए भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाजसेवी विजय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस साल भी गाजियाबाद के प्रताप विहार क्षेत्र में सेक्टर–11 स्थित प्राचीन शिव (कुटी) मंदिर एवं भगवान चित्रगुप्त मंदिर परिसर में कलम दवात पूजन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। भगवान चित्रगुप्त की पूजा–अर्चना बुधवार यमद्वितीया, 15 नवंबर की सुबह 9 बजे शुरू होगी। उसके बाद सामूहिक कलम–दवात पूजन, सम्मान समारोह और प्रसाद वितरण के लिए भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। एक तरह से यह वार्षिकोत्सव है। सभी परिवारों खासकर कायस्थजनों में भगवान चित्रगुप्त की पूजा को लेकर उत्साह और उमंग है। समारोह में समाज के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित भी किया जाएगा। संस्था के राष्ट्रीय महासचिव जितेन्द्र बच्चन ने सभी कायस्थजनों से अपील की है कि यह एक धार्मिक और सामूहिक आयोजन है। इसमें हम सभी को बढ़–चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए।

उ०प्र० नव युवक वाल्मीकि चेतना सभा के तत्वाधान कवि महर्षि वाल्मीकि जयन्ती का आयोजन।

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

राजधानी लखनऊरू विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी उ०प्र० नव युवक वाल्मीकि चेतना सभा के तत्वाधान में 28 अक्टूबर, 2023 दिन शनिवार को के०डी० सिंह बाबू स्टेडियम परिवर्तन चौक लखनऊ में आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जयन्ती का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ में सभा द्वारा पिछले 26 वर्षों से आयोजित किया जाता रहा है तथा संगठन द्वारा फल वितरण एवम् भण्डारा का आयोजन भी किया जाता है।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मा० श्री अरविन्द सिंह गोप, पूर्व कैबिनेट मंत्री, उ०प्र० सरकार, प्रो० अभिषेक मिश्रा, पूर्व मंत्री, उ०प्र०, श्री रविदास मेहरोत्रा, विधायक मध्य क्षेत्र व पूर्व कैबिनेट मंत्री, उ०प्र० तथा श्री सुशील दीक्षित, नगर अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी उपस्थित रहें । कार्यक्रम की अध्यक्षता उ०प्र० नवयुवक वाल्मीकि चेतना सभा के प्रदेश अध्यक्ष श्री विजय वाल्मीकि ने की। इस अवसर पर वाल्मीकि समाज के साथ–साथ लखनऊ के गणमान्य व्यक्ति भी उपथित रहें ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुकेश कुमार वाल्मीकि (प्रदेश उपाध्यक्ष), शिव प्रसाद (प्रदेश महासचिव), संजय चौधरी (सचिव), राजेश पटेल (जिलाध्यक्ष, लखनऊ), पवन कुमार चौधरी–बाराबंकी, अंकित चौधरी–बाराबंकी, सुनील कुमार एस०के०, संजय बी०एल०टी०सी०. सागर वाल्मीकि, विपिन चौधरी, अजय कुमार वैद्य, राजेश तेजा, संजय बागड़ी, गौतम के०जी०एम०यू०, रिंकू उर्फ भोलू, राजन वाल्मीकि, अभिषेक चौधरी, सुरेश वाल्मीकि, सचिन खन्ना मील, राजेश उर्फ खन्ना सहित समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहें।

तपोवन द्वारा वार्षिक कार्यक्रमों की विषय सूची एवं विषय वस्तु के सम्बन्ध में जानकारी दी गई

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

राजधानी लखनऊ। तपोवन नामक ये संगठन जो युवाओं के समग्र विकास एवं विकास की उस धारा की ओर जो भारतीय संस्कृति की विशाल जड़ों से जुडी हो। क्योंकि किसी भी सभ्यता का पेड़ तभी मजबूत हो सकता है. जब उसकी संस्कृति कि जड़ें मजबूत हो। और युवा ही जीवन अवस्था का ऐसा पड़ाव होता जो किसी भी देश को विकसित एवं महान बना सकता है। और तपोवन इसी दिशा में युवाओं के समग्र विकास की ओर अग्रसर है इसी क्रम में हमने अपने कार्यों को मुख्यता तीन भागों में विभाजित किया है। जो कि निम्नवत है।शिक्षा सम्बन्धी,सांस्कृतिक, क्रीड़ा सम्बन्धी

,शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम,स्नातक सम्बन्धी परामर्श शिविर,मध्यवर्ती सम्बन्धी परामर्श शिविर,व्यवसायिक शिक्षा–सम्बन्धी परामर्श शिविर,सांस्कृतिक सम्बन्धी कार्यक्रम,भारत की माहान विभूतियों के सम्यक शास्त्रार्थ एवं निबंध प्रतियोगिता,काव्य गोष्ठी नवीन कवियों द्वारा नवरात्री एवं दिवाली महोत्सव, क्रीड़ा सम्बन्धी क्रिकेट,अंतर विद्यालय,अंतर विश्वविद्यालय

,आई के मेमोरियल ,हेरिटेज कप,डॉ ए पी जे अब्दुल कलम मेमोरियल,फुटबॉल,अंतर विद्यालय,अंतर विश्वविद्यालय,बाबू हरिहर सिंह मेमोरियल

इसके अतरिक्त बहुत सी कार्यशालाएं सेमिनार्स एवं अन्य कोचिंग कैम्पों का भी आयोजन किया जायेगा जिससे हम अपने इस प्रयास की ओर अग्रसर हो सके।

विराट सिंह (अध्यक्ष) ने कहा आपसी सहयोग से और आप सभी के आशीर्वाद से अपने स्वजनों और अपने देश के अपने कर्तव्यों का निर्वाहन कर सकें, क्यों की ये तीन क्षेत्र किसी भी मानस के मन तन और सामाजिक तौर एक रचनातत्मक व्यक्ति के रूप में अपनी सार्थकता सिद्ध कर सकेगा।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष नाबाजिश जी ने कहा की शिक्षा एक सुद्रीत समाज की आधारभूता है। शिक्षा युवाओं को सही दिशा और दशा प्रदान करते है इसीलिए सही शैक्षिक दिशा प्राप्त करने के लिए सही परामर्श की आवश्कता है।

मुख्य प्रवक्ता शिव मोहन शर्मा कहा कि खेल हमारे देश का गौरव रहे है और हम भी इस संस्था के माध्यम से इसमें अपना योगदान देने का प्रयास कर रहे है। अतः तपोवन में हम युवाओं के समग्र विकास के लिए (बौद्धिक भौतिक अव सामाजिक) नित्य निरंतर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से करने का प्रयास करते रहेंगे।

इस प्रेस वार्ता में कुमार संभव आकाश कुमार यादव, सलीम फैसल, आशीष कुमार, विकास तिवारी, आकाश दीक्षित, हस्सान मिर्जा, अरबाज, शैलेन्द्र, विश्वदीप आदि गणमान्य उपस्थित रहे।

आकाश यादव ने शॉटपुट में व सृष्टि सिंह ने हाई जम्प एवं 100 मीटर रेस में रजत पदक किया हासिल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सी आई एस सी ई एवं सी बी एस सी द्वारा आयोजित अथेलेटिक्स मीट में एस के डी अकादमी आई एस सी व वृन्दावन शाखा के आकाश यादव को शॉटपुट में व सृष्टि सिंह को हाई जम्प एवं 100 मीटर रेस में रजत पदक हासिल हुआ स

एस के डी अकादमी आई एस सी शाखा राजाजीपुरम एवं वृन्दावन शाखा के आकाश यादव एवं सृष्टि सिंह ने सी आई एस सी ई व सी बी एस एस सी द्वारा आयोजित अथेलेटिक मीट

व क्लस्टर मीट के विभिन्न खेलों की प्रतियोगिता में भाग लिया स जिसमें आकाश यादव, कक्षा 9 ने कर्नाटक रीजन में हुई नेशनल अथेलेटिक्स मीट में शॉटपुट प्रतियोगिता में रजत पदक जीत कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

वहीं सी बी एस सी द्वारा आयोजित क्लस्टर मीट में एस के डी अकादमी वृन्दावन शाखा की सृष्टि सिंह कक्षा – 8 ने अंडर 14 प्रतियोगिता में 100 मीटर रेस में कॉस्य पदक व हाई जम्प में रजत पदक प्राप्त कर जीत हासिल की स साथ ही नेशनल लेवल के लिए भी क्वालीफाई कर लिया।

इस अवसर पर संस्था के निदेशक मनीष सिंह ने बच्चों की सफलता के लिए बधाई दी व भविष्य में खेलकूद में प्रतिभागिता करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

निर्धन कन्या विवाह में भंडारा एंव मेला समारोह का आयोजन, शादी के बंधन में बंधे 21 जोड़े।

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ। आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव शरद पूर्णिमा के अवसर पर महर्षि वाल्मीकि निर्धन कन्या विवाह समिति एंव वाल्मीकि समाज के सहयोग से वाल्मीकि कल्याण मंडल, फूलवाली पार्क, निशात गंज लखनऊ में 21 बेटियों की शादी पूर्ण विधि–विधान के साथ कराई गई। निर्धन कन्या विवाह अवसर पर समिति की ओर से सभी नवयुगल को घर का आवश्यक सामान भी दिया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा व विशिष्ट अथितियों में लखनऊ मेयर सुषमा खर्कवाल, राज्यमंत्री अनूप प्रधान वाल्मीकि, एम. एल. सी. डॉ निर्मल प्रसाद, उपाध्यक्ष महानगर धनश्याम दास अग्रवाल और पार्षद मनकामेश्वर मन्दिर रंजीत सिंह शामिल हुए, सभी ने विवाह शूत्र में बंधे जोड़ो को आशीर्वाद दिया।

समिति के अध्यक्ष पुजारी राजेश वाल्मीकि ने बताया 11 वर्षो से निर्धन कन्या विवाह सहित भंडारा एंव मेला समारोह आयोजन होता आ रहा है इसी क्रम में 21 जोड़ो का समूहिक रूप से जयमाला एंव विवाह किया गया है जिसमें विवाह होने के लिए वर वधु के नाम में उमा वाल्मीकि संग अजय सिंह वाल्मीकि, पूजा वर्मा संग अखिलेश वर्मा, रिंकी वर्मा संग राहुल कुमार वर्मा, सोनी संग राम जीवन, ज्योति संग सनी, दिव्या मौर्या संग दिनेश मौर्या, प्रियंका धानुक संग राहुल भारती, कोमल वाल्मीकि संग अमरदीप वाल्मीकि, सिमरन वाल्मीकि संग अमन वाल्मीकि, सोनिया गिहार संग मोहित कुमार, शगुन वाल्मीकि संग अंकित दिवान् वाल्मीकि, शिवानी वाल्मीकि संग आकाश वाल्मीकि, आरती संग लवकुश, रीता वाल्मीकि संग विनीत वाल्मीकि, रोशनी संग संतोष कुमार, तान्या गुप्ता संग नीरज गुप्ता, महक संग अरविन्द कुमार, सोनम संग मनोज कुमार, कोमल निषाद संग हिमांशु निषाद, सोनी देवी संग कुसमेश व वर्षा गौतम संग शत्रोहन गौतम आदि जोड़े विवाहिक बंधन में बंधे। इस विवाहिक भंडारा एंव मेला समारोह में हजारों की संख्या में वाल्मीकि समाज सहित क्षेत्र के गणमान्य सदस्य गण व 21 नवयुगल जोड़ों के परिजन मौजूद रहे।

भगवान की भजन भक्तिमें स्वार्थी ही जीवन में परमार्थी होता है : शांतनु जी महराज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बी आर पी इण्टर कालेज के मैदान में सेवा भारती के सौजन्य से आयोजित श्रीराम कथा करते हुए शांतनु महराज ने प्रभु राम के जन्मोत्सव की बधाई के साथ कथा प्रारंभ किया। उन्होंने बताया कि जब भगवान प्रगट हुए तो देवता भी आकाश मार्ग से पुष्प की वर्षा करने लगे और अयोध्या के नागरिक जो जैसे था वैसे ही भगवान के दर्शन के लिए दौड़ पड़े।अयोध्या वासियों का उदाहरण देकर भगवान के दर्शन की आचार संहिता बताई। भगवान को प्राप्त करने के लिए किसी भी प्रकार की बनावट दिखावट की आवश्यकता नहीं है।परमात्मा को पाने के लिए दौड़ जाओ और भजन में भक्ति में परमार्थ में स्वार्थी होना ही पड़ता है और जो जितना भजन में स्वार्थी हो जाता है संसार के व्यवहार में उतना ही परमार्थी हो जाता है।

शांतनु महाराज ने भगवान की बाल लीलाओं का बखान करते हुए उनके रूप दर्शन का वर्णन किया।उन्होंने कहा भगवान का रूप सर्वांग मधुर ही मधुर है। नामकरण संस्कार की चर्चा करते हुए कहा कि नाम संतों से शास्त्रों से बड़े बुजुर्गों से विद्वानों से पूछ कर ही रखना चाहिए क्योंकि हमारे यहां पुरानी कहावत है यथा नाम तथा गुणः । वशिष्ठ जी ने चारों भाइयों का नामकरण विशेष प्रकार से किया महाराज जी ने भारत के प्राचीन महान वैदिक गुरुकुल शिक्षा परंपरा के ऊपर भी प्रकाश डाला और बताया कि भगवान चारों भाइयों सहित गुरुकुल में पढ़ने गए।

इसलिए आज भी वह गुरुकुल वैदिक परंपरा प्रासंगिक है क्योंकि आज हम शिक्षित तो बना रहे हैं किंतु समझदार नहीं बना पा रहे हैं। शिक्षा और समझदारी में अंतर है और नए भारत का निर्माण यदि करना है तो शिक्षा के साथ–साथ संस्कार की भी अत्यंत आवश्यकता है। हम आने वाली पीढ़ियों को पैसे कमाने की मशीन बना रहे हैं और ऐसे बालक कभी भी अपने माता पिता परिवार समाज व राष्ट्र का महत्व नहीं समझते है। अतःभारत को पुनः विश्व गुरु के पद पर स्थापित करने के लिए है इन छोटी–छोटी बातों पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

विश्वामित्र यज्ञ रक्षा के प्रसंग में शांतनु जी ने बताया कि भगवान विश्वामित्र जी के साथ जाकर उनके यज्ञ की रक्षा करते हैं। अर्थात जिसको भी अपने जीवन रूपी यज्ञ कि यदि रक्षा करना है उसको राम और लक्ष्मण अवश्य साथ रखने होंगे। राम यानी सत्य लक्ष्मण यानी वैराग्य त्याग समर्पण तो जीवन में सत्य की सुगंध भी आनी चाहिए। अहिल्या प्रसंग को समझाते हुए महाराज जी ने कहा जीवन में जब भी कोई पाप हो जाए पाप को छुपाना नहीं चाहिए।महाराज जी ने बताया कि गंगा गीता गौरी और गायत्री भारत के प्राण है। इनकी रक्षा करना हमारा परम कर्तव्य है।

मुख्य रूप से सीमा द्विवेदी सदस्य राज्यसभा डा हरेंद्र प्रसाद सिंह दिनेश टंडन प्रदीप जायसवाल डा शुभा सिंह गीता जायसवाल बृजेश सिंह प्रिंसू शिक्षा विभाग की विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर अजय कुमार दुबे कवि प्रोफेसर वशिष्ठ मिश्र अमरावती ग्रुप के ईशान मिश्रा विमल सिंह जितेंद्र यादव प्रदीप सिंह रिंकु डा अनीता त्रिपाठी सुचिता सिंह प्रियंका श्रीवास्तव राजन श्रीवास्तव पत्रकार दीपक श्रीवास्तव पत्रकार पंकज प्रजापति पत्रकार शिक्षा निषाद अनुपमा राय करूणा मौर्या राखी सिंह शिक्षक नेता रमेश सिंह और विनोद राय सहित दर्जनों विशिष्ट जन उपस्थित रहे।

कुलपति ने कमेटी के संयोजकों के साथ की तैयारी समीक्षा

मुख्य अतिथि जल पुरुष राजेंद्र सिंह होंगे, विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री होंगे पीयू का दीक्षांत समारोह नौ नवंबर को

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय का 27 वां दीक्षांत समारोह नौ नवंबर 2023 को आयोजित होगा। इस संबंध में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह की अध्यक्षता में दीक्षांत समारोह कमेटी की तैयारी समीक्षा बैठक शनिवार को कुलपति सभागार में हुई। कुलपति और कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कुल 50 समितियों के संयोजकों से तैयारी के संबंध में वार्ता की। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति एवं माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगीं। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि जल पुरुष और मैगसेसे पुरस्कार से सम्मानित राजेंद्र सिंह होंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी होगी।

कुलपति ने कहा कि सभी संयोजक अपनी टीम के साथ सक्रिय रूप से काम में लग जाए। उन्होंने कहा कि राजभवन के निर्देश पर दीक्षांत से पूर्व व्याख्यानमाला और प्रतियोगिता, वाद–विवाद समेत कई कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है। साथ ही राजभवन से निर्देशित 28 बिंदुओं की गाइडलाइन का अनुपालन करने के लिए सभी को सुझाव दिया गया। इस अवसर पर वित्त अधिकारी उमाशंकर, परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, उप कुलसचिव अमृतलाल, प्रो वंदना राय, प्रो अजय प्रताप सिंह, प्रो.अविनाश पाथर्डीकर, प्रो रजनीश भास्कर, प्रो देवराज सिंह, प्रो. संदीप सिंह, प्रो मुराद अली, प्रो. सौरभ पाल, डॉ मनोज मिश्र, डॉ राजकुमार, डॉ मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. संतोष कुमार, पूर्व एनएसएस समन्वयक डा. राकेश यादव, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ सुनील कुमार, डॉ अवध बिहारी सिंह, सहायक कुलसचिव दीपक सिंह, अजीत सिंह, बबीता सिंह, एमएम भट्ट, डॉक्टर लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, संतोष कुमार मौर्य, डॉ प्रमोद कुमार कौशिक, कपिल कुमार त्यागी आदि लोग उपस्थित थे।

भाजपा सरकार ने महिलाओं को अनेक योजनाओं से लाभान्वित कराया : प्रतिमा शुक्ला

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मातृ शक्तियों को 33ः संवैधानिक अधिकार देने के क्रम में हरदोई जिले में अलका गुप्ता जिलाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा के कुशल नेतृत्व में विधानसभावार नारी शक्ति बदन सम्मेलन संगठन के निर्देशानुसार अनुसार आयोजित किया जा रहा है । जिसमें हरदोई विधानसभा बिलग्राम मल्लावा मे नारी शक्ति वंदन सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ ।

विधानसभा , बिलग्राम मल्लावां में मुख्यअतिथि राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि हम माता बहनों को अनवरत सशक्त करने में हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार कार्य करते हुए माता बहनों को सैकड़ो योजनाओं से लाभान्वित कराया है और हम माता बहनों को सुरक्षा प्रदान करने का कार्य किया है और हम सबका मौलिक जीवन में प्रगति हुई है , जीवन जीने में बहुत अधिक सुधार हुआ है । 33ः अधिकार देते हुए हम सबको संवैधानिक अधिकार देकर और सशक्त किया गया है । सम्मेलन का कुशल संचालन अलका गुप्ता जिलाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा हरदोई द्वारा अत्यन्त कुशलता से करते हुए आए हुए सभी अतिथियों व कार्यकर्ता बहनों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में विशेष गरिमामयी उपस्थित सांसद अशोक रावत ,जिलाध्यक्ष भाजपा अजीत सिंह बब्बन ,विधायक आशीष सिंह , ब्लॉक प्रमुख गीता गुप्ता, विनिमा सिंह , जिला मंत्री राम नंदिनी , मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा आरती गुप्ता, गीता गुप्ता , युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष आकाश सिंह , मंडल के सभी पदाधिकारी एवं सैकड़ो कार्यकर्ता माता–बहने आदि उपस्थित रही ।

प्रयागराज में बैठकर ब्लूटूथ से सॉल्व करा रहे थे पेपर, खुली पोल, एसटीएफ ने दबोचा

लखनऊ (संवाददाता)। पीईटी के मद्देनजर एसटीएफ व अन्य सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही सक्रिय थीं। परीक्षा के दौरान एसटीएफ के डीएसपी दीपक कुमार सिंह को सूचना मिली की प्रयागराज में बैठे सॉल्वर गैंग का सरगना दीपक कुमार पटेल व उसका साथी अजय वाराणसी, बांदा, उन्नाव व कानपुर के परीक्षा केंद्रों पर ब्लूटूथ से नकल करा रहे हैं। इस सूचना के बाद सरगना को साथी समेत व परीक्षार्थियों को गिरफ्तार कर लिया गया। दीपक व अजय ने बताया कि उनका गिरोह पैसा लेकर पेपर हल कराते हैं। पीईटी में भी उन्होंने कई परीक्षार्थियों से नकल कराने के लिए पैसे लिए थे। गिरफ्तार अभियुक्तों के मोबाइल से मिले परीक्षा प्रश्न पत्र को देखने पर एक बार कोड मिला। इसकी आयोग से जांच कराई गई तो पता चला कि यह प्रश्न पत्र आरपीडी इंटर कॉलेज, संदहा चौबेपुर वाराणसी के परीक्षा केंद्र का है। इसकी जांच में पता चला कि यह एक अनुपस्थित परीक्षार्थी का पेपर है। इसे कक्ष निरीक्षक के रूप में ड्यूटी कर रहे विनय पटेल ने सॉल्वर गैंग को उपलब्ध कराया था। गिरोह के लोग इसी के माध्यम से पेपर हल करा रहे थे। ऐसे ही गौतमबुद्धनगर के परीक्षा केंद्र तिलपता में वास्तविक अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा दे रहे अभ्यर्थी को वहां की टीम ने पकड़ा। गिरफ्तार रविंद्र सिंह ने बताया कि वह बीएससी फेल है। अभ्यर्थी उदयवीर सिंह के भाई से दोस्ती थी। उसने परीक्षा दिलवाने के लिए पैसे देने की बात कही। उसने उदयवीर के आधार कार्ड को एडिट कर अपनी फोटो लगाई थी। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग प्रशासन ने बताया कि बांदा के एक केंद्र पर अभ्यर्थी पंकज कुमार मौर्या परीक्षा देने पहुंचा। पहली जांच में उसे नहीं पकड़ा जा सका। जब एसटीएफ से सूचना मिलने पर उसकी दोबारा सघनता से जांच की गई तो उसके कान के अंदर ब्लू टूथ डिवाइस मिली, जिसके माध्यम से वह पेपर हल कर रहा था। इस तरह उसे पकड़ा जा सका। आयोग के सचिव अवनीश सक्सेना ने बताया कि पीईटी में इस साल पहली बार फेस रिक्गनिशन का प्रयोग किया गया।

सब्जियों में कीटनाशक का प्रयोग बिगाड़ रहा सेहत

संतकबीरनगर (संवाददाता)। सावधान रहने की जरूरत है, सब्जियों में अधिक कीटनाशक का प्रयोग हो रहा है, जिसके सेवन से सेहत बिगड़ सकती है। यह बात हवा–हवाई नहीं है, बल्कि शिमला मिर्च के नमूने की आई जांच रिपोर्ट बता रही है। डॉक्टरों के मुताबिक, पेस्टीसाइड सब्जियों के सेवन से लिवर और किडनी खराब हो सकती है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देश पर 15 सितंबर को प्रत्येक जिलों में पांच–पांच फल और सब्जियों के सर्विलांस नमूने सग्रह किए जाने थे। उसी क्रम में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग ने जिले में पत्ता गोभी, शिमला मिर्च, केला, सेब और खीरा का सर्विलांस नमूना जुटाकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा था। इसके पीछे उद्देश्य है कि फलों और सब्जियों में पेस्टीसाइड की मात्रा कितनी है, इसकी जानकारी जुटानी है।

नियुक्त किए गए निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी

संतकबीरनगर (संवाददाता)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर जनपद के तीनों विधानसभा क्षेत्रों के लिए निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की नियुक्ति कर दी गई है। यह जानकारी डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने दी है। उन्होंने बताया कि 312–मेंहदावल में एसडीएम मेंहदावल, 313–खलीलाबाद में एसडीएम खलीलाबाद एवं 314– धनघटा(अ.जा.) में एसडीएम धनघटा को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार मेंहदावल में तहसीलदार मेंहदावल, खंड विकास अधिकारी मेंहदावल, खंड विकास अधिकारी बेलहर कलां, खंड विकास अधिकारी बघौली, खंड नियुक्त किया गया है।

ग्रामीण महिलाओं को नए बिजली कनेक्शन पर मिलेगी 33 फीसदी छूट, नई दरों पर भी होगी चर्चा

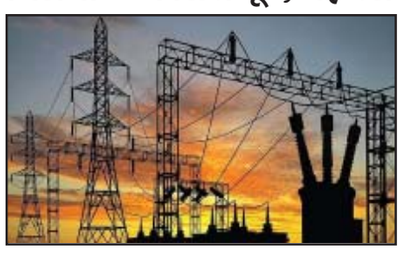

लखनऊ (संवाददाता)। प्रदेश में नए बिजली कनेक्शन की दरों, उपभोक्ता सामग्री की दरों आदि को लेकर बनने वाली नई कॉस्ट डाटा बुक को अंतिम रूप देने की तैयारी शुरू हो गई है।

इसे लेकर 30 अक्तूबर को इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई रिव्यू पैनल सब कमेटी की बैठक होगी। ग्रामीण महिलाओं के नया कनेक्शन लेने पर 33 फीसदी और शहरी महिलाओं को 15 फीसदी छूट देने का मामला भी बैठक के एजेंडे में शामिल किया गया है। नई कॉस्ट डाटा बुक तैयार करने से पहले रिव्यू पैनल सब कमेटी की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाती है। इसमें उपभोक्ता परिषद व पावर कॉरपोरेशन सहित सभी अपना–अपना पक्ष रखते हैं। 30 अक्तूबर को होने वाली बैठक में अभी तक नए बिजली कनेक्शन को लेकर बनने बाले एस्टीमेट, नए बिजली कनेक्शन शुल्क, उपभोक्ता सामग्री की दरों आदि का मुद्दा ही रखा गया था। अब उपभोक्ता परिषद की मांग को देखते हुए ग्रामीण महिलाओं के नया कनेक्शन लेने पर 33 फीसदी और शहरी महिलाओं को 15 फीसदी छूट देने का मुद्दा भी एजेंडे में शामिल कर लिया गया है। विद्युत नियामक आयोग सभागार में होने वाली बैठक की अध्यक्षता विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार करेंगे। सभी बिजली कंपनियों के प्रबंध निदेशकों, पावर कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक, राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कोड रिव्यू पैनल सब कमेटी के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा, नोएडा पावर कंपनी के प्रबंध निदेशक, विद्युत सुरक्षा निदेशक को बैठक में भाग लेने के लिए पत्र जारी कर दिया गया है।

इकाना स्टेडियम, पर यूपी कॉर्पोरेशन की नहीं होगी बिजली

लखनऊ (संवाददाता)। भारत–इंग्लैंड के बीच दिन–रात्रि क्रिकेट मैच के दौरान इकाना स्टेडियम व आसपास की बिजली व्यवस्था की जिम्मेदारी छह टीमों के जिम्मे रहेगी। ये टीमें स्टेडियम के अंदर से लेकर 132 केवी ट्रांसमिशन उपकेंद्र तक मुस्तैद रहेंगी। एक टीम में जूनियर इंजीनियर समेत पांच तकनीकी कर्मचारी रहेंगे। राजभवन के अधिशासी अभियंता डीकेडी द्विवेदी ने शनिवार शाम ट्रांसमिशन उपकेंद्र से लेकर स्टेडियम तक का जायजा लिया गया। स्टेडियम के अंदर जेई संतोष कुमार एवं ट्रांसमिशन उपकेंद्र पर जेई शशि कुमार टीम संग रहेंगे। बाहर गोमतनगर विस्तार के सेक्टर सात स्थित 33 केवी उपकेंद्र पर एसडीओ एवं जेई, परीक्षण खंड की टेस्टिंग टीम, फॉल्ट लोकेटर मशीन एक्सपर्ट सहित उपकेंद्र की ब्रेकर मेंटेनेंस टीम सुबह से तैनात हो जाएगी। मैच के दौरान फॉल्ट आने पर लोकेटर मशीन आसानी से भूमिगत केबल में खराबी ढूंढ सकेगी। मैच के दौरान स्टेडियम दूधिया रोशनी से जगमगाएगा।

राहुल बोले– हम इंग्लैंड को हल्के में नहीं ले सकते, उस टीम में हैं मैच विनर प्लेयर

लखनऊ (संवाददाता)। भले ही इंग्लैंड का प्रदर्शन इस विश्वकप में अच्छा नहीं रहा, लेकिन हम उन्हें हल्के में नहीं लेंगे। उनकी टीम में कई मैचविनर हैं जो मुकाबले का रुख बदल सकते हैं। हम पूरी ताकत के साथ जीत का लक्ष्य लेकर मुकाबले में उतरेंगे। यह कहना है कि भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल का, जो इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले के पहले पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा, एशिया कप के बाद से हमारी टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। डेसिंग रूम का माहौल भी अच्छा है जो हमें अगले मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर रहा हैं। उम्मीद है सफलता का यह क्रम आगे भी जारी रहेगा। आईपीएल के दौरान इकाना स्टेडियम में चोटिल होने के बाबत पूछे गए प्रश्न के जवाब में राहुल ने मजाकिया लिहाजे में कहा कि मैं यह भूलना चाहता हूं और आप याद दिला देते हो। लंबे समय बाद यहां आकर पुरानी याद ताजा हो गई। हालांकि वह वक्त गुजर गया है और मैं उसे भुलना चाहता हूं। चोट के बाद रिकवरी के जवाब में उन्होंने कहा कि यह मुश्किल प्रक्रिया थी, लेकिन वह समय भी गया। इस दौरान मुझे सभी का सपोर्ट मिला। एशिया कप के दौरान मेरे बल्ले से रन निकले। विश्वकप में भी मेरा प्रदर्शन शानदार रहा। अब इस फार्म को जारी रखना मेरी प्राथमिकता होगा। मुकाबले से पहले पत्रकारों से बातचीत में इंग्लैंड के कोच मार्कस ट्रेस्कोथिक ने कहा कि हम जीत के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। अगर इसके बावजूद जीत नहीं मिली है तो क्या किया जा सकता है। हम इस वक्त मुश्किल में है तो इससे उबरना ही सबसे बड़ी चुनौती होगा। टीम का सेमीफाइनल में पहुंचना मुश्किल लग रहा है। भारतीय पिचों के बारे में पूछे गए प्रश्न के जवाब में इंग्लैंड के ज्यादातर खिलाड़ी आईपीएल में खेलते है। कप्तान जोस बटलर समेत सभी बड़े खिलाड़ी काफी समय से आईपीएल की टीमों का प्रमुख हिस्सा है। ऐसे में भारतीय पिच उनके लिए अंजान नहीं थी। हम अपने प्रदर्शन से निराश हैं। पिछले एक साल में कम वनडे मुकाबले खेलने के बारे में पूछे एक सवाल के जवाब में ट्रेस्कोथिक ने कहा कि ऐसा नहीं है। क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट पर हमारा ध्यान है। हमें अभी भी उम्मीद है कि हम वर्ल में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। हर मैच के हिसाब से हम खिलाड़ियों का चयन करते है। बस, हमारी टीम इस बार क्लिक नहीं कर पा रही है। टीम इंडिया ने इकाना स्टेडियम में बीती छह अक्टूबर 2022 को एकमात्र वनडे मैच खेला था, जहां टीम इंडिया को दक्षिण अफ्रीका से 9 रनों से हार मिली थी।

आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

संतकबीरनगर (संवाददाता)। सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा ने सड़क जाम करने और एसओ पर प्राण घातक हमला करने के आरोपी की जमानत अर्जी निरस्त कर दी। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी विशाल श्रीवास्तव ने बताया कि दो जून 2017 को उप निरीक्षक अनिरुद्ध सिंह ने धनघटा थाने में तहरीर दी। कहा कि क्षेत्राधिकारी प्रमोद कुमार, एसडीएम धनघटा राम जीवन व खनन अधिकारी सुनील कुमार मौर्य के साथ वह सूचना पाकर छपरा मगरवी टोला मदरहा के पास पहुंचे। जहां पट्टा के अनुसार बालू खनन का कार्य न होने देने की बात पर ग्रामीण रोड जाम कर विरोध कर रहे थे।

पहले दिन पकड़े गए 40 सॉल्वर, सवा 6 लाख ने दी परीक्षा, 62 फीसदी रही उपस्थिति

लखनऊ (संवाददाता)। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) 2023 के पहले दिन की लिखित परीक्षा में कुल 40 सॉल्वर व नकलची पकड़े गए। आयोग की ओर से पहली बार पीईटी में प्रयोग किए गए फेस रिक्गनिशन से जहां 30 लोग दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने के प्रयास में पकड़े गए। वहीं एसटीएफ ने सॉल्वर बैठाकर और ब्लू टूथ डिवाइस से नकल कराने वाले गिरोह के सरगना समेत 10 को पकड़ा है। पहले दिन शनिवार को दो पालियों में प्रदेश के 35 जिलों के 1058 केन्द्रों पर परीक्षा आयोजित की गयी। परीक्षा केंद्रों पर आयोग की ओर से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित फेस रिकॉग्निशन सॉफ्टवेयर के माध्यम से परीक्षार्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई। इसमें संदिग्ध मिलने वाले अभ्यर्थियों के पूरे रिकॉर्ड की जांच करने पर विभिन्न जिलों में दोनों पालियों में कुल 38 ऐसे व्यक्तियों को पकड़ा गया जो अभ्यर्थी के स्थान पर सॉल्वर के रूप में परीक्षा दे रहे थे। परीक्षा की दूसरी ओर से 10 सॉल्वर बैठाकर व ब्लू टूथ डिवाइस के प्रयोग से नकल कर रहे लोगों को एसटीएफ द्वारा पकड़ा गया। इनमें गिरोह का सरगना, कक्ष निरीक्षक व सॉल्वर सभी शामिल हैं। इनके पास से चार ब्लू टूथ डिवाइस, आठ मोबाइल फोन, चार प्रवेश पत्र, एक कूटरचित आधार कार्ड, एक सीएसएफ एंट्री परमिट कार्ड मिला है। कई अन्य एसटीएफ के राडार पर हैं। एसटीएफ की ओर से जारी सूचना के अनुसार गिरोह का सरगना दीपक कुमार पटेल निवासी कुंडा प्रतापगढ़, अजय कुमार पटेल निवासी सोरांव प्रयागराज, सुजीत कमार उन्नाव से गिरफ्तार, पंकज कुमार मौर्या बांदा से गिरफ्तार, जितेंद्र कुमार वर्मा पांडेयपुर वाराणसी से गिरफ्तार, अनुराग कुमार कानपुर से गिरफ्तार, रविंद्र सिंह नोहझील मथुरा, उदयवीर सिंह नोहझील मथुरा, विनय कुमार पटेल चौबेपुर वाराणसी व दिलीप वर्मा निवासी कोहणौर प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया गया है। आयोग के अध्यक्ष प्रवीर कुमार ने बताया कि दोनों दिन की परीक्षा में 20 लाख 7533 अभ्यर्थियों को शामिल होना है। इस क्रम में आज पहले दिन दोनों पालियों में पंजीकृत 10 लाख 3768 में से 6 लाख 23,732 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। इस तरह पहले दिन की परीक्षा में 62 फीसदी अभ्यर्थी उपस्थित व 380036 (38 फीसदी) अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा रविवार को भी प्रदेश के 35 जिलों में 1058 केंद्रों पर दो पालियों में परीक्षा का आयोजन होगा। पीईटी परीक्षा के अभ्यर्थियों के लिए रोडवेज व रेलवे प्रशासन शनिवार व रविवार को परीक्षा स्पेशल बसें व ट्रेनें चला रहा है।

जालसाजों ने पांच को लगाई 2.94 लाख की चपत

लखनऊ (संवाददाता)। साइबर जालसाजों ने संयुक्त निदेशक अभियोजन की बेटी सहित पांच लोगों के खाते में सेंध लगाकर 2.94 लाख रुपये की चपत लगा दी। पीड़ितों ने केस दर्ज कराया है। गुडंबा के सीमांत नगर में रहने वाली अवि मिश्रा के पिता धीरेंद्र कुमार मिश्र रायबरेली में संयुक्त निदेशक अभियोजन पद पर तैनात हैं। बीते मंगलवार की अवि को इंस्टाग्राम पर अमेजन इंडिया मिशन के नाम से एक लिंक आया, जिसमें टास्क पूरा करने पर कुछ रुपये मिले। इसके बाद जालसाज ने अवि से कई बार में 38,200 रुपये ऐंठ लिए। तेलीबाग की कुबेर बगिया निवासी श्वेता राही ने पीजीआई थाने में तहरीर देकर बताया कि बीते बुधवार को जालसाजों ने उनके डेबिट कार्ड का क्लोन बनाकर खाते से चार बार में एक लाख रुपये उड़ा दिए। बिहार के मूल निवासी कमलेश कुमार एसजीपीजीआई के ब्वॉयज हॉस्टल में रहकर नर्सिंग की पढ़ाई कर रहे हैं।

अखिलेश बोले भाजपा सरकार में यूपी के किसान बेहाल, एमएसपी के नाम पर ढोंग कर रही है योगी सरकार

लखनऊ (संवाददाता)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में किसान बेहाल है। भाजपा की नीतियां सिर्फ और सिर्फ पूंजीपतियों को लाभ देने वाली हैं। धान की फसल तैयार है, लेकिन प्रदेश में किसानों के धान की खरीद की कोई व्यवस्था नहीं है। एमएसपी के नाम पर सरकार सिर्फ ढोंग कर रही है। अखिलेश यादव ने जारी बयान में शनिवार को कहा कि डीजल, खाद, बीज, कीटनाशक सब महंगा है। भाजपा की डबल इंजन सरकार ने किसानों को धोखा दिया। अब चुनाव सामने देख कर भाजपा सरकार किसानों के बरगलाने के लिए नए–नए हथकंडे अपना रही है। भाजपा की गलत नीतियों और काले कृषि कानूनों के विरोध में 700 से ज्यादा किसान शहीद हो गए। भाजपा सरकारों में फसल बिचौलिए लूट रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने किसानों और जनता को जितना परेशान किया है, उतना अब तक की किसी सरकार ने नहीं किया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स के जरिये दिल्ली–लखनऊ हाईवे पर छात्रा के साथ मोबाइल की लूट की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि जब सरकार सोती हुई या कुछ करती हुई न दिख रही हो तो अपराध रोकने के लिए विपक्ष को कहना ही पड़ेगा कि सुप्त भाजपा–लुप्त भाजपा। ाजपा की नीतियां सिर्फ और सिर्फ पूंजीपतियों को लाभ देने वाली हैं। धान की फसल तैयार है, लेकिन प्रदेश में किसानों के धान की खरीद की कोई व्यवस्था नहीं है। एमएसपी के नाम पर सरकार सिर्फ ढोंग कर रही है। अखिलेश यादव ने जारी बयान में शनिवार को कहा कि डीजल, खाद, बीज, कीटनाशक सब महंगा है।

25 फीसदी अभ्यर्थियों ने छोड़ी प्रारंभिक अर्हता परीक्षा

गोंडा (संवाददाता)। जिले के 30 केंद्रों पर आयोजित यूपीएसएसएससी की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) में एक चौथाई अभ्यर्थियों ने छोड़ दी है। पहले दिन दो पालियों में 27,360 में से 20,357 अभ्यर्थियों ने ही प्रारंभिक अर्हता परीक्षा दी है। जबकि चुनावी वर्ष होने के बावजूद दोनों पालियों में 7003 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ी है। ऐसे में कुल 25 प्रतिशत से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल नहीं हुए हैं। रविवार को भी दो पालियों में 27,360 अभ्यर्थी पीईटी में शामिल होंगे। शनिवार को सुबह 10 से 12 और दोपहर तीन से पांच बजे तक दो पालियों में पीईटी का आयोजन किया गया। इस दौरान जीआईसी, जीजीआईसी, टामसन और एलबीएस समेत कॉलेज समेत 30 केंद्रों पर सकुशल परीक्षा कराई गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि 27,360 में से 20,357 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी है। जबकि दो पालियों में 7003 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले – मैं आरएसएस का कार्यकर्ता हूं, संघ के आदेश को कभी नहीं टालता

लखनऊ (संवाददाता)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का कार्यकर्ता हूं। मैं संघ के आदेश को कभी नहीं टालता। जब मुझे इस बात की सूचना दी गई कि ठाकुर संकठा प्रसाद के व्यक्तित्व पर प्रकाशित पुस्तक का विमोचन होना है तो मैं व्यस्तता के बावजूद आ गया। रक्षामंत्री आरएसएस के प्रचारक स्वर्गीय ठाकुर संकठा प्रसाद के जीवन पर आधारित पुस्तक के विमोचन के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि ठाकुर संकठा प्रसाद अनुशासन के मामले में बेजोड़ हैं। पुस्तक का शीर्षक कर्मयोगी संकठा प्रसाद है लेकिन वह निष्काम कर्मयोगी थे। उनकी कड़क आवाज में भी अपनापन था। जो व्यक्ति मन का बड़ा होता है वह लोगों के दिल को जीत लेता है वह खुद भी आनंदित रहता है और लोगों को भी खुश रखता हैं। संकठा प्रसाद छोटे मन के नही थे। बड़े मन का व्यक्ति आध्यात्मिक होता है। इसका मतलब यह नहीं कि वह मंदिर या धर्मस्थल पर जाए। ठाकुर साहब का मन बड़ा था। मैं कह सकता हूं कि संकठा जी का पुनर्जन्म नही होगा, उन्हें मोक्ष प्राप्त होगा। उन्होंने राष्ट्रधर्म का पालन किया। वह संघ के स्वयंसेवक थे, किसान संघ में भी उन्होंने राष्ट्र के लिए काम किया। उन्होंने कहा था कि किसान खुशहाल होगा तो देश खुशहाल होगा। कृषि ऋण पर 14 से 18 फीसदी ब्याज 4 प्रतिशत करना चाहिए। यह उनका भी सुझाव था। किसान कॉल सेंटर भी उनके मार्गदर्शन से शुरू हुआ कराया गया था। मोहिनी मोहन मिश्र ने कहा कि स्वर्गीय ठाकुर संकठा प्रसाद के बारे में सोचते है तो लगता है उनकी यह यात्रा इतनी सहज नहीं होगी लेकिन वह बहुत सरल और सहज व्यक्तित्व के धनी थे। कभी कठोर तो कभी नरम थे।

30 अक्तूबर को होगा ब्लैकआउट मॉकड्रिल, बचाव की आपातकाल विधियों का भी होगा प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में नागरिक सुरक्षा और आपातकाल परिस्थितियों में लोगों के बचाव के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने ब्लैक आउट मॉकड्रिल करने का निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश नागरिक सुरक्षा विभाग 30 लखनऊरू 30 अक्तूबर को होगा ब्लैकआउट मॉकड्रिल, बचाव की आपातकाल विधियों का भी होगा प्रदर्शन 2023 को सायरू 6रू00 बजे से रात्रि 8रू00 बजे तक राजकीय जुबली इंटर कॉलेज, सिटी स्टेशन, लखनऊ में वृहद स्तर पर ब्लैक आउटध्मॉकड्रिल का प्रदर्शन करेगा। उत्तर प्रदेश के नागरिक सुरक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव रजनीश गुप्ता ने बताया कि कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह की उपस्थिति में इस मॉकड्रिल के तहत ब्लैक आउट का प्रदर्शन किया जाएगा। ब्लैक आउट युद्ध के समय जनधन की क्षति को कम करने हेतु क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को बंद करके किया जाता है। इसके अतिरिक्त आग बुझाने के तरीके, घायलों को प्राथमिक उपचार देना, भवनों में फंसे लोगों के बचाव के तरीके का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।